हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 45, पृष्ठ 4, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 29 जुलाई, 2021 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

पेगासस मुद्दे पर संसद में विपक्ष का हंगामा

राज्यसभा में पारित हुआ जुवेनाइल जस्टिस संशोधन विधेयक 2021

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र का बुधवार को सातवां दिन भी आधे से अधिक विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ चुका है। बार-बार पेगासस मुद्दे पर हंगामे के के कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही को स्थगित करना पड़ रहा है। इस बीच राज्यसभा में जुवेनाइल जस्टिस संशोधन विधेयक 2021 पारित किया गया और सदन को 29 जुलाई सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दिया गया। हाल लोकसभा को 4 बजे तक स्थगित कर दिया गया है। इससे पहले दोनों सदनों को 3 बजे तक स्थगित कर दिया गया था। लोकसभा 2.30 बजे तक स्थगित की गई थी। दोनों सदनों को इससे पहले दोपहर दो बजे तक स्थगित किया गया था। आज की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामे के बाद राज्यसभा की कार्यवाही को 12 बजे तक स्थगित करना पड़ा था। आज लोकसभा में विपक्षी सांसदों ने पेगासस मुद्दे पर नारेबाजी भी की।

पेगासस जासूसी प्रकरण की जांच कराए जाने की मांग को लेकर विपक्ष ने अब तक सदन कार्यवाही नहीं चलने दी है। इसके अलावा विपक्ष तीन कृषि कानूनों और महंगाई के मुद्दों पर भी आंदोलित है। 19 जुलाई से शुरू हुए मानसून सत्र में अब तक एक भी दिन संसद की कार्यवाही ठीक से नहीं चल पाई है। संसद में हर दिन विपक्षी दलों ने हंगामा कर कार्यवाही को बाधित किया है। शशि थरूर के खिलाफ विशेषाधिकार प्रस्ताव पेश करने पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि कांग्रेस संसद को चलने नहीं दे रही है। अगर संसद नहीं चल रही है तो आप स्थायी समिति में (पेगासस पर) ऐसी चर्चा क्यों चाहते हैं, जो संसद का विस्तार हो? उन्होंने कहा कि स्थायी समिति के अध्यक्ष अध्यक्ष की शक्तियों के तहत काम करते हैं और अनुच्छेद 94 और अनुच्छेद 96 कहते हैं कि अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जा सकता है। इसलिए हमने लिखा है कि हम इन नियमों के तहत अध्यक्ष को हटाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आईटी पर संसदीय स्थायी समिति के 30 में से 17 सदस्यों ने (अध्यक्ष को) लिखा है कि हमें अब उन पर (शशि थरूर) भरोसा नहीं है। स्थायी समिति के अध्यक्ष को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि हम सिर्फ एक सवाल पूछना चाहते हैं। क्या भारत सरकार ने पेगासस को खरीदा है? हां या नहीं। क्या सरकार ने अपने ही लोगों के खिलाफ पेगासस हथियार का इस्तेमाल किया? हमें सरकार द्वारा स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सदन में पेगासस पर कोई चर्चा नहीं होगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि हमारे लिए पेगासस, राष्ट्रवाद और देशद्रोह से जुड़ा मामला है। इस हथियार का इस्तेमाल लोकतंत्र के खिलाफ किया गया है। मेरे लिए, यह गोपनीयता की बात नहीं है। मैं इसे एक राष्ट्रविरोधी कृत्य के रूप में देखता हूं। नरेंद्र मोदी और अमित शाह जी ने भारत के लोकतंत्र की आत्मा पर हमला किया है। हम सिर्फ एक सवाल पूछना चाहते हैं। क्या भारत सरकार ने Pegasus को खरीद लिया है? हां या नहीं। क्या सरकार ने अपने ही लोगों के खिलाफ पेगासस हथियार का इस्तेमाल किया? हमें सरकार द्वारा स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सदन में पेगासस पर कोई चर्चा नहीं होगी। संसद में शिवसेना सांसद संजय राउत ने पेगासस जासूसी मुद्दे पर कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और कृषि कानूनों के मुद्दों पर पूरा विपक्ष एकजुट है और रहेगा। राज्य सभा में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि आगामी जनगणना पहली डिजिटल जनगणना होगी और इसमें स्व-गणना का प्रावधान है। डेटा संग्रह के लिए एक मोबाइल ऐप और विभिन्न संबंधित गतिविधियों के प्रबंधन और निगरानी के लिए एक जनगणना पोर्टल विकसित किया गया है। राज्यसभा में यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार रोहिंग्याओं के पुनर्वास को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानती है। इस पर गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक लिखित जवाब में कहा है कि अवैध प्रवासी (रोहिंग्या सहित) राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं। कुछ रोहिंग्या प्रवासियों के अवैध गतिविधियों में लिप्त होने की खबरें हैं।

यमुना में हथिनीकुंड बैराज से छोड़ा गया एक लाख 25 हजार क्यूसेक पानी

मेरठ। पहाड़ी व मैदानी क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश से एक बार फिर नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। पश्चिमी यूपी के अधिकतर जिलों में मंगलवार देर रात से ही बारिश हो रही है, वहीं बिजनौर में हथिनीकुंड बैराज से आज दोपहर 12 बजे तक एक लाख 25 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद से यमुना उफान पर है। इससे यमुना का जलस्तर बढ़ गया है। वहीं यमुना के तटवर्ती क्षेत्रों में भूमिकटान को देखते हुए किसान चिंतित हैं। वहीं प्रशासन ने लोगों को यमुना के समीप न जाने की चेतावानी जारी की है। पहाड़ों पर बारिश जारी होने से यमुना नदी में हथिनीकुंड बैराज से दोपहर 12 बजे 1 लाख 25 हजार 314 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है जबकि सुबह 10 बजे हथिनी कुंड बैराज से 34,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। शामली में मध्य रात्रि से शुरू हुई मानसूनी बारिश अभी भी जारी है। पूरी यमुना नहर खंड के उप राजस्व अधिकारी अंबुज चौधरी के मुताबिक मंगलवार की रात से लेकर बुधवार सुबह आठ बजे तक 108 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है। उन्होंने बताया कि बारिश जारी रहने से शाम तक बारिश का आंकड़ा ज्यादा हो सकता है। बारिश से शहर के कई स्थानों पर जलभराव हो गया है, एक और रेलवे के अंडर पास जलमग्न हो गए हैं।

दिल्ली दौराः ममता बनर्जी ने पार्टी सांसदों के साथ की बैठक, भाजपा को घेरने की बनाई रणनीति

कोलकाता। बंगाल विधानसभा चुनाव में जीत के बाद पांच दिवसीय दौरे पर दिल्ली गईं मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को पार्टी सांसदों के साथ बैठक की। ममता की अध्यक्षता में तृणमूल संसदीय दल की यह बैठक दोपहर एक बजे से राज्यसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक सुखेंदु शेखर राय के आवास पर हुई।

सूत्रों के अनुसार, बैठक में पेगासास समेत मूल्य वृद्धि, वैक्सीन व जनहित से जुड़े अन्य मुद्दों पर केंद्र की भाजपा सरकार को घेरने की रणनीति बनाई गई। बैठक में तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद अभिषेक बनर्जी, लोकसभा में पार्टी संसदीय दल के नेता सुदीप बंद्योपाध्याय, राज्यसभा सदस्य डेरेक ओ ब्रायन सहित टीएमसी के लोकसभा और राज्यसभा के लगभग सभी सांसद उपस्थित थे। गौरतलब है कि हाल में तृणमूल संसदीय दल का अध्यक्ष चुने जाने के बाद ममता की पार्टी सांसदों के साथ यह पहली बैठक थी। तृणमूल के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी सांसदों कोपेगासास समेत अन्य मुद्दों पर मोदी सरकार को संसद से लेकर सड़क तक घेरने व अन्य पहलुओं के बारे में महत्वपूर्ण सुझाव दिए। गौरतलब है कि ममता ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी मुलाकात की थी। इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस नेता कमलनाथ, आनंद शर्मा और अभिषेक मनु सिंघवी के साथ बैठक की थीं। ममता आज कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी से भी मिलने वाली हैं। इसके अलावा वह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से शाम छह बजे मुलाकात करेंगी। सोनिया गांधी से मुलाकात के पहले ममता ने पार्टी नेताओं के साथ रणनीति तय की। बता दें कि टीएमसी के सांसद लगातार पेगासास के मुद्दे पर संसद में हंगामा कर रहे हैं और सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं।

ममता को हाल में तृणमल कांग्रेस के संसदीय दल का अध्यक्ष बनाया गया है और इसके साथ ही उनके भतीजे और सांसद अभिषेक बनर्जी को पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली भाजपा को केंद्र की सत्ता से उखाड़ फेंकने और विरोधी दलों को एकजुट करने की मंशा से ममता विपक्षी नेताओं के साथ बैठक कर रही हैं।

ममता 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी भूमिका निभाने की तैयारी में हैं। बंगाल विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार जीत के बाद ममता का यह पहला दिल्ली दौरा है। राजनीति गलियारों में चर्चा है कि ममता खुद को तीसरे मोर्चे के चेहरे के रूप में देखना चाहती हैं। ममता के दिल्ली दौरे को राष्ट्रीय राजनीति में उनका कद बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

किश्तवाड़ में बादल फटने से सात की मौत, 40 लोगों की खोज में लगी हैं टीमें

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में सुबह 4.30 बजे बादल फटने के बाद बाढ़ आ गई। जिसमें हुंजर गांव के छह घर और सात शव निकाले जा चुके हैं। सेना, पुलिस और एसडीआरएफ की ओर से बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

एक राशन स्टोर बह गए। इसमें करीब 40 लोग लापता बताए जा रहे हैं। अभी तक सात लोगों के शव निकाल लिए गए हैं और 17 लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया है जिनमें से पांच की हालत गंभीर है। जिला उपायुक्त किश्तवाड़ अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि किश्तवाड़ से एसडीआरएफ की टीम मौके पर है, जबकि जम्मू, उधमपुर और श्रीनगर से टीमों को घटनास्थल तक एयरलिफ्ट करने के लिए मौसम बाधा बना हुआ है। जिला उपायुक्त के अनुसार हुंजर के अलावा लंबार्ड क्षेत्र में दो और बादल फटे हैं। होमगार्ड, सिविल डिफेंस और एसडीआरएफ के पुलिस महानिदेशक वीके सिंह ने कहा कि 60 परिवारों को घर खाली करवाकर सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। रेस्क्यू टीमें मौके पर हैं, जबकि कई अन्य टीमों को भी रेस्क्यू ऑपरेशन स्थल तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भारी बारिश की भविष्यवाणी की है, नदियों और नालों में जल स्तर बढ़ने की उम्मीद है, जो नदियों, नालों, जल निकायों और स्लाइड-प्रवण क्षेत्रों के पास रहने वाले निवासियों के लिए खतरा पैदा कर सकता है। इस समय, जम्मू-कश्मीर के अधिकांश स्थानों पर बादल छाए हुए हैं और पुंछ, राजौरी, रियासी और आसपास के कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश हो रही है। व्यापक रूप से रुक-रुक कर बारिश 30 तारीख तक जारी रहने की संभावना है।

जासूसी कांड पर विपक्ष एकजुटः राहुल ने पूछा- सरकार ने पेगासस खरीदा या नहीं, हां या ना में दें जवाब

नई दिल्ली। पेगासस जासूसी कांड, महंगाई और कृषि कानूनों को लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर है। संसद से लेकर सड़क तक विपक्ष सरकार को घेरने में जुटा है। बुधवार को राहुल गांधी की अगुवाई में 14 दलों के सांसदों ने संसद भवन से विजय चौक तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि संसद में सरकार उनकी आवाज दबा रही है। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी जी ने लोगों के फोन में जासूसी का हथियार डाला। जज, पत्रकारों की जासूसी करवाई गई है। आखिर लोकतंत्र में जासूसी क्यों करवाई जा रही है, जासूसी का इस्तेमाल देश के खिलाफ है। हिंदुस्तान के लोकतंत्र पर यह हमला है। विपक्ष इस मुद्दे पर सदन में चर्चा कराने की मांग कर रहा है, लेकिन सरकार चर्चा को लेकर तैयार नहीं है। राहुल गांधी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि क्या सरकार ने पेगासस सॉफ्टवेयर को खरीदा था या नहीं, इसपर वह सफाई क्यों नहीं देते। राहुल गांधी ने कहा कि आखिर सरकार इस मुद्दे पर चर्चा क्यों नहीं करना चाह रही है। हम सदन में गतिरोध पैदा नहीं कर रहे हैं, हम अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। वहीं, शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा कि ये राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। ये पहली बार नहीं हुआ है। हम इनके साथ काम कर चुके हैं। ये राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है, इसलिए इस पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए। शिवसेना के बाद सपा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि सरकार कह रही है कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं, फिर क्यों वो चर्चा से भाग रही? आज लोकसभा और राज्यसभा में बुधवार को भी पेगासास जासूसी कांड को लेकर जोरदार हंगामा हुआ। विपक्षी दल सरकार से सदन में इस मुद्दे पर चर्चा की मांग पर अड़े हुए हैं और प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से जवाब मांग रहे हैं। वहीं, सत्ता पक्ष विपक्ष पर सदन नहीं चलने देने और चर्चा नहीं करने का आरोप लगा लगा रहा है।

असम-मिजोरम सीमा पर तनाव के बीच गृह मंत्रालय ने मोर्चा संभाला, असम के सचिव और डीजीपी की बुलाई बैठक

नई दिल्ली। असम-मिजोरम के बीच चल रहे सीमा विवाद को लेकर हुई हिंसक झड़प के बाद अब गृह मंत्रालय ने मोर्चा संभाल लिया है। गृह मंत्रालय ने दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों और डीजीपी की बुधवार को बैठक बुलाई है। गृह सचिव अजय भल्ला के साथ बैठक में असम के मुख्य सचिव जिष्णु बरुआ और असम के डीजीपी भास्कर ज्योति शामिल होंगे।

सूत्रों ने कहा, 'असम के मुख्य सचिव जिष्णु बरुआ के साथ बैठक निर्धारित समय के अनुसार शुरू हुई। असम के डीजीपी गृह मंत्रालय में समय पर पहुंचे, लेकिन वह कुछ समय बाद लौट गए। इसके बाद असम के मुख्य सचिव के साथ बैठक को शाम चार बजे तक के लिए टाल दिया गया।' इस बीच, गृह सचिव अजय भल्ला ने मिजोरम के मुख्य सचिव लालनुनमाविया चुआंगो और मिजोरम के डीजीपी एसबीके सिंह से उनके कार्यालय में मुलाकात की। मुख्य सचिव मिजोरम लालनुनमाविया चुआंगो ने गृह सचिव के साथ पहले दौर की बैठक के बाद कहा कि असम-मिजोरम सीमा संघर्ष पर चर्चा जारी है। लालनुनमाविया चुआंगो ने कहा, 'हम इस मुद्दे पर कुछ नहीं कह सकते। यह प्रोटोकॉल है। हम दोपहर में फिर मिलेंगे।' असम-मिजोरम सीमा विवाद में छह असम पुलिस कर्मियों की मौत के बाद, असम सरकार ने हैलाकांडी के एसपी रमनदीप कौर को कछार जिले में नए एसपी के रूप में स्थानांतरित और तैनात किया है, जहां 26 जुलाई को मिजोरम के साथ सीमा पर हिंसा हुई थी। चंद्रकांत हिंसा में घायल हो गए थे और मुंबई के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। कछार एसपी ने कहा कि स्थिति तनावपूर्ण है और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को तटस्थ बल के रूप में सीमा पर तैनात किया गया है। रमनदीप ने कहा, 'स्थिति तनावपूर्ण है, वरिष्ठ स्तर पर बातचीत हो रही है। सीमा पर एक तटस्थ बल के रूप में सीआरपीएफ तैनात है। असम और मिजोरम बल क्रमशः अपने पदों पर हैं।

पोर्नोग्राफी केसः अभी जेल में ही रहेंगे राज कुंद्रा, कोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

मुम्बई। पोर्न फिल्में बनाने और उन्हें एप्स पर अपलोड करने के मामले में गिरफ्तार हुए शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेसमैन राज कुंद्रा की मुश्किलें कम होने का नाम ही नहीं ले रही हैं। हाल ही में मुंबई की एस्प्लेनेडे कोर्ट ने राज और रयान थोर्पे की जमानत याचिका खारिज कर दी है। बता दें कि राज कुंद्रा 14 दिन की न्यायिक हिरासत में हैं और अब उनकी जमानत याचिका भी खारिज कर दी गई है। गौरतलब है कि इस साल फरवरी में पोर्नोग्राफी रैकेट केस का भंडाफोड़ मुंबई क्राइम ब्रांच के सामने हुआ था। जब क्राइम ब्रांच को पता चला कि इस केस के तार मशहूर बिजेनसमैन और शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा से जुड़े हुए हैं तो इसकी जांच की जाने लगी। पांच महीने की जांच के बाद क्राइम ब्रांच को पुख्ता सबूत मिले जिसके आधार पर राज को गिरफ्तार किया गया। मुंबई की क्राइम ब्रांच लगातार इस मामले की जांच कर रही है और आए दिन इस केस में नए खुलासे हो रहे हैं। मुंबई पुलिस ने अदालत में कहा कि राज कुंद्रा ने अश्लील फिल्मों का निर्माण एवं व्यापार करके लगभग 1.17 करोड़ रुपए कमाए हैं और यह रुपये उन्होंने अगस्त 2020 से लेकर दिसंबर 2020 के बीच ही कमाए हैं। राज कुंद्रा पिछले लंबे समय से अपनी गिरफ्तारी को गलत बता रहे थे लेकिन इसी बीच कोर्ट ने उन्हें किसी भी प्रकार की कोई राहत देने से साफ इनकार कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में पहली चार्जशीट फाइल कर दी है जिसमें राज कुंद्रा के एडल्ट फिल्म बिजनेस को लेकर फिर नया खुलासा हुआ है। बताया जा रहा है कि राज कुंद्रा ने कंपनी के लिए एक टारगेट सेट किया था। वो 2023 तक इन फिल्मों के जरिए 34 करोड़ रुपये कमाने का गोल लेकर चल रहे थे। इससे पहले भी एक खुलासे में क्राइम ब्रांच ने बताया था कि राज कुंद्रा करीब 9 करोड़ रुपयों में कई वीडियोज को बेचने की डील भी कर चुके थे।

संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस : महामारी व अफगानिस्तान समेत कई अहम मुद्दों पर बोले विदेश मंत्री जयशंकर व ब्लिंकन

नई दिल्ली। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन व भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के मजबूती का संकेत दिया। ब्लिंकन ने भारत आने पर खुशी जाहिर की और कहा, 'कोरोना ने अमेरिका और भारत दोनों को बहुत बुरी तरह प्रभावित किया। भारत ने हमें महामारी में सहायता प्रदान की। उस सहायता को हम नहीं भूलेंगे। हमने अफगानिस्तान सहित क्षेत्रीय सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की।' वहीं जयशंकर ने कहा, 'हमने आज वैक्सीन को वैश्विक स्तर पर उपलब्ध कराने और सस्ता बनाने के लिए इसका उत्पादन बढ़ाने पर अपना ध्यान केंद्रित किया।' उन्होंने आगे कहा कि अफगानिस्तान के लिए ये जरूरी है कि शांति चचाओं को सभी गंभीरता से लें। दुनिया एक स्वतंत्र, संप्रभु, लोकतांत्रिक और स्थिर अफगानिस्तान देखने की कामना करती है।

ब्लिंकन से बातचीत के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, 'हमारा द्विपक्षीय संबंध उस स्तर तक पहुंच गया है जिससे हम मिलकर बड़े मुद्दों से डील कर सकते हैं।' कोविड मामले को स्वाभाविक तौर से प्राथमिकता बताते हुए जयशंकर ने कहा कि क्षेत्रीय और वैश्विक चुनौतियों से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए ब्लिंकन के साथ यह मुलाकात अहम पड़ाव है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने अफगानिस्तान में तालिबानी हिंसा का मुद्दा

उठाया और कहा कि यह देश के भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। अफगानिस्तान में शांति का एकमात्र जरिया समझौता ही है और इसपर गंभीरता से काम करना होगा। दो दिवसीय दौरे पर भारत आए अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने आज अपने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर से मुलाकात की। उन्होंने कहा, 'हमने जो साथ में काम किया और आने वाले समय में जो करेंगे उसकी सराहना करात हूं।' इससे पहले उन्होंने सिविल सोसायटी आगेर्नाइजेशन के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी। इसके बाद ब्लिंकन ने ट्वीट कर कहा, 'लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता को भारत और अमेरिका साझा करते हैं और यही हमारे बीच संबंध की आधारशिला है जो भारत के बहुलवादी समाज को दशार्ता है।' आज सुबह ही ब्लिंकन ने राष्ट्रीय सुरक्षा सचिव अजीत डोभाल से साउथ ब्लॉक जाकर मुलाकात की। इस दौरान कोविड-19 और इंडो-पैसिफिक समेत अनेकों अहम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। ब्लिंकन के आने से भारत-अमेरिका के के बीच वर्ष 2024 तक द्विपक्षीय रिश्तों को नई दिशा मिलने की उम्मीद की जा सकती है। जयशंकर और ब्लिंकन के बीच बैठक में क्षेत्रीय मुद्दे भी उठेंगे। दोनों पक्षों की तरफ से बताया गया कि अफगानिस्तान की स्थिति एक बड़ा मुद्दा होगा। साथ ही चीन व भारत के बीच सैन्य तनाव का मुद्दा भी उठने की संभावना है। अमेरिकी पक्ष रक्षा मुद्दों को लेकर ज्यादा जोर दे रहा है। इस बात का प्रमाण उसके विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान है।

भारतीय टीम के सभी खिलाड़ियों की कोरोना रिपोर्ट आई सामने, क्रुणाल पांड्या के संपर्क में आए थे 8 खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम को श्रीलंका के दौरे पर राहत की खबर मिली है। मंगलवार को ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या को कोरोना संक्रमित पाया गया था। इसके बाद उनके संपर्क में आए सभी खिलाड़ी को आइसोलेट कर दिया गया था। बुधवार को इन सभी 8 खिलाड़ियों का कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट सामने आई है। राहत की खबर है कि संक्रमित हुए क्रुणाल के संपर्क में आए सभी खिलाड़ी को नेगेटिव पाया गया है। श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मैच से पहले भारतीय खेमे में हडकंप मच गया था। ऑलराउंडर क्रुणाल के कोरोना संक्रमित होने की खबर आई और बीसीसीआइ ने तुरंत ही सतर्कता बरतते हुए श्रीलंका बोर्ड के साथ मिलकर बात की और मैच को स्थगित करने का फैसला लिया। क्रुणाल के संपर्क में आए उनके छोटे भाई हार्दिक के अलावा विकेटकीपर इशान किशन, बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव, पृथ्वी शॉ, देवदत्त पडीक्कल और कृष्णप्पा गौतम को आइसोलेशन में भेज दिया गया है। दोपहर में खबर आई कि कप्तान शिखर धवन का नाम भी इस लिस्ट में जुड गया है। दूसरे मैच को कराया जाता है तो टीम की कप्तानी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार करेंगे।

12 खिलाड़ी चयन के लिए उपलब्ध- भुवनेश्वर कुमार(कप्तान), रितुराज गायकवाड़, मनीष पांडे, नितीश राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), युजवेंद्रा सिंह चहल, राहुल चाहर, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, दीपक चाहर, नवदीप सैनी और चेतन सकारिया।

चिंतन मनन

मानसून की तबाही

जून और जुलाई माह के पहले पखवाड़े में मानसून ने जिस तरह की आंखमिचौली की, उससे लगने लगा था कि एक बार फिर सारे अनुमान फेल होने का हैं। गर्मी की तपिश और शरीर से बह रहे पसीने को देखकर यह आभास ही नहीं हो रहा था कि देश में मानसून दस्तक दे चुका है। मगर अब पिछले सात दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में मानसून का जो रुतबा दिखा है, उसने आम जन से लेकर सरकारों को हलाकान कर दिया है। भारी जन हानि के साथ संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश के साथ बिहार व अन्य राज्यों में बारिश से तबाही का सिलसिला शुरू हो गया है। अकेले महाराष्ट्र में ही 150 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। नदियां खतरनाक स्थिति में पहुंच रही हैं। मप्र में ही कई गांवों का संपर्क कट चुका है। नदी के किनारे बने मंदिर पानी में डूब चुके हैं। महाराष्ट्र के बाद हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में भू-स्खलन ने बबार्दी के निशान छोड़े हैं। बरसात के दिनों में बाढ़, भूस्खलन और मकानों के ढहने से सैकड़ों लोगों का जान गंवा बैठना जैसे हर साल की स्थायी स्थिति बन चुकी है। इस साल भी अब तक महाराष्ट्र, गोवा, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश आदि में बरसात से काफी तबाही मच चुकी है। आने वाले दिनों में और भारी बरसात की चेतावनी जारी की जा चुकी है। बरसात के समय मचने वाली इस तबाही की वजहें छिपी नहीं हैं। ऐसा भी नहीं कि पिछले कुछ सालों में पहले की अपेक्षा अधिक बारिश हो रही है। यह जरूर है कि बरसात की प्रकृति में कुछ बदलाव आया है। मगर इससे ज्यादातर परेशानियां अनियोजित शहरी विकास, जल निकासी के रास्तों में अवरोध, नदियों के पाटों पर अतिक्रमण, बांधों की क्षमता का समुचित आकलन न हो पाने आदि की वजह से पैदा होती हैं। नदियों के पाट सिकुड़ते और पेटा उथला होता गया है। इसलिए बरसात का पानी संभाल पाने की उनकी क्षमता काफी घट गई है। उनका पानी उफन कर रिहाइशी इलाकों को जलमग्न कर देता है। यही हाल गाद भरते जाने से बांधों का भी हो गया है। जब वे बरसात का पानी संभाल नहीं पाते तो बिना चेतावनी के उनके फाटक खोल दिए जाते हैं और पानी के वेग में बहुत सारे लोग मारे जाते हैं। मुंबई और महाराष्ट्र के दूसरे शहरों में बरसात की वजह से पैदा होने वाली दुश्वारियां वहां के नगर निकायों और प्रशासन की लापरवाही का नतीजा अधिक होती हैं। मुंबई के अनेक इलाकों में बहुत सारे जर्जर हो चुके मकान खड़े हैं, जिनमें दर्जनों परिवार रहते हैं। अधिक बरसात होने से अक्सर ऐसे मकान धसक कर बैठ जाते हैं और कई लोग मारे जाते हैं। इसी तरह पहाड़ी टीलों, नालों के किनारे बहुत सारी बस्तियां बसी हुई हैं, जिनके मकानों की न तो नींव सही से डली है और न उनके ऊपर खड़ी मंजिलों के वजन का आकलन किया गया है। तेज बरसात से जब उन टीलों की जमीन धंसती है तो वे मकान भी जमींदोज हो जाते हैं। छिपी बात नहीं है कि ये सारी बस्तियां प्रशासन की जानकारी में बसती और अनियोजित तरीके से फैलती जाती हैं। आखिर पुराने पड़ चुके मकानों को खाली कराने और खतरे वाली जगहों पर रह रहे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की जिम्मेदारी नगर निगमों की है, पर वे इससे आंखें चुराते देखे जाते हैं। इसी तरह पहाड़ी इलाकों में अवैध खनन, अवैध निर्माण और सड़कों आदि के लिए होने वाली खुदाई के चलते पहाड़ दरक चुके हैं। नतीजतन, भारी बारिश से उनके भूखंड खिसकने शुरू हो जाते हैं। उनकी जद में आने वाले मकान ध्वस्त हो जाते हैं। बरसात के वक्त मचने वाली तबाही को केवल कुदरत का कहर बता कर प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों से मुंह नहीं मोड़ सकता। हर साल बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के कर्मचारियों को हलकान होना पड़ता है। अगर शहरों की बसाहट को सुनियोजित किया जाए, जल निकासी की समुचित व्यवस्था हो तो जलभराव की स्थितियों से काफी हद तक पार पाया जा सकता है। ऐसे ही खतरनाक जगहों पर रह रहे लोगों के पुनर्वास की कोई व्यावहारिक नीति बननी चाहिए। इस तरह हर साल होने वाले करोड़ों-अरबों रुपए के नुकसान और सैकड़ों लोगों की मौत को रोकने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की बहुत जरूरत है।

है सामूहिक काम !

संसद को चलाना ।
है सामूहिक काम ।।
पर रोड़े अटकाना ।
हुआ है इंतजाम ।।
समय और पैसे का ।
है भारी नुकसान ।।
गिर रही है गरिमा ।
और धूमिल सम्मान ।।
माना है मतभेद ।
पर उनका भी हल ।।
भेंट क्यों चढ़ा रहे ?
आने वाला कल ।।
निर्वहन दायित्व अब ।
दिखे ना दूर-दूर ।।
बात ये अलग है ।
अब मनोरंजन भरपूर ।।

-कृष्णेन्द्र राय

चातुर्मास - आत्मावलोकन पर्व

बिना कारण के कोई कार्य उत्पन्न नहीं होता. कोई भी कार्य निर्थक नहीं होता. बहुत पहले समाज विखरित था. उस समय आवागमन के साधन शून्य .कच्चे मार्ग ,बैलगाड़ी ,घोड़ों की सवारी ही मुख्य साधन होते थे .अधिकतर निवास गांव में होते थे. व्यापार शुन्य ,खेती किसानी से निवृत्ति और आवागमन का साधन न होने से जीवन अवरुद्ध सा हो जाता. उस समय समय की उपयोगिता हेतु अधिकतर धार्मिक आयोजन किये जाते थे.जिससे समय के साथ जीवन की यथार्यता का दर्शन होते थे.हमें क्या करना चाहिए और हम क्या कर रहे हैं .इससे जीवन की दशा और दिशा समझ में आती थी और हैं भी.

कच्ची सड़के,हरियाली अधिक ,वर्षा की आधिक्यता से आवागमन सीमित होने से धार्मिक सामाजिक आयोजन किये जाते. जीव हिंसा का डर ,हरी साग सब्जी में रोगों का संक्रमण होने से उसका भी त्याग और उस समय इतनी प्रकार की सब्जियां भी नहीं मिलती थी तो सादा भोजन ,जीवन और उच्च विचार का परिपालन करते थे .

यह चातुर्मास सब समाज में और दर्शन में मनाते हैं और इसका आयोजन कुछ सार्थक उद्देश्य के होते थे और हैं . इसमें मुख्यतः जीव हिंसा का वचाब और धार्मिक भावना का उदघाटन करना ,इसके लिए कही भागवत गीता ,रामायण आदि का परायण होता हैं .आत्म कल्याण की भावना बलबती होती हैं. जैन समाज में आज से पचास साठ पहले जैन आचार्यों ,मुनियों की इतनी अधिक संख्या नहीं रहती थी और न सब जगह मुनि वर्ग पहुंच पाते थे तथा उस समय आर्थिक संघर्ष भी आज की अपेक्षा अधिक था. उस समय आवागमन के साधन तैयार होने लगे थे. और समाज गांव से शहरों की ओर आने लगी चाहे व्यापार के लिए ,नौकरी के लिए या शिक्षा के लिए. या विकास के लिए. पचास साठ साल पहले कुछ पंडित जी ,कुछ विद्यवान ही ऐलक,क्षुल्लक ,ब्रह्मचारी आदि के माध्यम से ज्ञान की अमृत वर्षा होती हैं और प्रभावना का बोध होता हैं .

आजकल उच्च श्रेणी के श्रावक /श्राविका होते जा रहे हैं और वर्तमान में आचार्यों के कारण उनके शिष्य भी बेजोड़ ज्ञानी,ध्यानी ज्ञाता हो गए है

पर्युषण पर्व में बुलाये जाते थे उसी समय धरम का रसास्वादन मिल जाता था. आचार्य श्री के प्रादुर्भाव से और उस समय अन्य आचार्यों के कारण अनेकानेक मुनि आचार्य , आर्यिकायें दीक्षित हुए और अब इस समय चातुर्मास स्थापना ने एक महोत्सव का रूप ले लिया ,इतनी भव्यता होती हैं की भव्यता में भी प्रतिस्पर्धा होने लगी यह शुभ लक्षण हैं !.इससे समाज में मुनि संघों ,आचार्य संघों ,आर्यिका संघो और .उन्होंने लगातार अध्ययन कर अपने आप में श्रेष्ठता हासिल की हैं .उनकी प्रभावना हमारे ऊपर अधिक क्यों पड़ती हैं ?उसका कारण उनकी त्याग ,तपस्या .साधना ,विवेक, ज्ञान और उनके द्वारा कुछ समाज ,देश के कल्याण के हित की बात करते हैं .और वे मात्र स्व पर कल्याण में रत होते हुए समाज को बहुत देते हैं .संसार की अनित्य दशा से छूटकर आत्मिक कल्याण में लगो . आचार्य /मुनि /श्राविका समाज से आहार लेते हैं ,जिसके कारण आहार दाता अपने को बड़ा भाग्यशाली मानता हैं,बड़े पुण्य से मुनि महाराज आदि आहार लेते हैं जिसके उत्साह का ठिकाना दाता को होता हैं और उसके बदले आचार्य /मुनि /आर्यिकाये स्वकल्याण /आत्मसाधना करती/करते हैं और समाज को ज्ञान दान ,चरित्र निर्माण में सहयोग देती हैं ,प्रेरणा देती हैं ,प्रेरक बनते हैं . आज कल साधन ,सुविधाएं ,व्यापार, नौकरी के कारण सम्पन्नता आने से समय की कमी होती जा रही हैं ,हम कमवक़्त (कम वक़्त) होते जा रहे हैं ,आज वर्तमान में आर्थिक ,भौतिक चकाचौंध के कारण और बहुत सुशिक्षित होने के कारण विदेशों में जाना आजकल सामान्य होता जा रहा हैं और महानगरों में भी /व्यापार /नौकरी के कारण जाने से आहार/भोजन की परमपरा जो रात्रिकालीन त्याग की थी वह पूर्णतयः समाप्त हो गयी ,और अब अंतरजातीय विवाह या प्रेम विवाह होने के कारन वे लोग समाज से जुड़ना नहीं चाहते .और धनवान लोग अपने अपने द्वीप में रहकर पूर्ण स्वच्छंदता से रहकर पर उपदेश देते हैं .

नगर निगम अशुद्ध पानी प्रदाय करती हैं पर हम अपना लोटे का पानी छान कर .साफ रखते हैं वैसे धरम व्यक्ति प्रधान होता हैं तथा भाव प्रधान हैं .भावना से ही बढ़ या छोटे होते हैं हम समाज सुधारक नहीं हैं .समाज का सुधारना बहुत कठिन हैं जब वह सम्पन्न ,शिक्षित हो और उसमे समाज का कोई नियंत्रण न हो .कारण समाज इतना फैला हैं की कौन कहाँ क्या कर रहा है किसी को नहीं मालूम . पहले विजातीय शादी या नियम विरुद्ध कृत्य करते थे तो उन्हें समाज से बहिष्कृत किया जाता था ,अब आजकल उन्हें ही श्रेष्ठि जन के रूप में मान्यता मिलती हैं .आजकल अनैतिक ढंग से आय /आमदनी होने के कारण या करने के कारण जैसे शराब का धंधा करना ,स्मगलिंग करना ,सट्टा,जुआ खिलाना तस्करी करना या चमड़े उद्योग लगाना ,कृमिनाशक रसायनों का व्यापार करना आज समाज में सामान्य होता जा रहा हैं . और इन्ही के कारण बड़ी बड़ी योजनाओं में भागीदारी होती हैं . इससे उनके चरित्र का प्रभाव समाज पर नहीं पड़ता क्या ? यह कोई व्यक्तिगत आलोचना नहीं हैं , हमारे लिए यह बहुत शुभ घडी हैं की इस समय चातुर्मास स्थापना इतनी जगह हो रहे हैं जिससे बहुसंख्य समाज मुनि ,आचार्य आर्यिकाओं आदि की उपस्थिति से लाभान्वित होंगे और उन्हें भी साधना करने का अनुकूल स्थान मिलेंगे और हम लोग जो अज्ञानी ,अबोध ,धरम से दूर रहने वालों को जुड़ने और ज्ञान से वे भी अपना कल्याण कर सकेंगे.कल्याण न हो तो कोई बात नहीं सद मार्ग पर चलना सीख जाए यही सच्चा चातुर्मास होगा.

यह पर्व हैं अपने कल्याण का ,
यह अवसर हैं सुधारने और सुधरने का,
बीता हुआ समय नहीं आयेंगा
आगे को तो हम सम्हाल सकेंगे।

आस-पड़ोस नेपाल में लगेगी मोबाइल के ग्रे बाजार पर लगाम !

नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण (एनटीए) द्वारा अवैध मोबाइल फोन सेट के जरिये मोबाइल सेवाओं के संचालन को रोकने के लिए मोबाइल डिवाइस प्रबंधन प्रणाली (एमडीएमएस) को लागू कर दिया गया है। इसके लागू होने के बाद अब 16 जुलाई से आईएमईआई नंबर पंजीकरण के बिना नेपाल में प्रवेश करने वाले मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लग गया है। एनटीए के अनुसार यह प्रणाली अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ द्वारा निर्धारित मोबाइल मानकों के अनुसार मोबाइल उपकरणों को आयात करने में मदद करती है और इससे मोबाइल फोन के इस्तेमाल से होने वाली आपराधिक गतिविधियों पर भी लगाम लगेगी। बताया जा रहा है कि लंबी तैयारी के बाद नेपाल में यह व्यवस्था लागू की गई है। एमडीएमएस लागू होने के बाद अवैध रूप से ग्रे मार्केट में खरीदा गया मोबाइल फोन और विदेश से रिश्तेदारों द्वारा खरीदा गया कोई भी मोबाइल सैट अब तब तक काम नहीं करेगा, जब तक कि उसका आईएमईआई नंबर पंजीकृत नहीं हो जाता। हालांकि एनटीए का कहना है कि एमडीएमएस के कार्यान्वयन से वर्तमान में सक्रिय मोबाइल फोन के संचालन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा और व्यक्तिगत स्तर पर खरीदे गए मोबाइल फोन सैटों का पंजीकरण एनटीए की वेबसाइट के माध्यम से किया जा सकता है। एनटीए द्वारा आम जनता से नेपाल में वर्तमान में उपयोग में आने वाले मोबाइल फोन को पंजीकृत करने का आग्रह किया गया है। अवैध फोन कॉल के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए लागू की गई एमडीएमएस प्रणाली उन मोबाइल फोन सैटों से दूरसंचार सेवा के उपयोग पर रोक लगाती है, जो नकल और चोरी के सैट के माध्यम से टैक्स चोरी करते हैं। एमडीएमएस के सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर के संचालन के लिए चाबहिल में एक अलग भवन भी बनाया गया है।

एनटीए द्वारा जारी बयान के मुताबिक आपराधिक गतिविधियों को नियंत्रित करने और राज्य में राजस्व बढ़ाने के लिए इस तरह के नियमों को सख्ती से लागू किया गया है। वर्तमान में चल रहे मोबाइलों पर यह नियम सख्ती से लागू नहीं है लेकिन अब यह नियम सख्ती से लागू होगा। इस नियम के लागू होने के बाद मोबाइल फोन के रजिस्ट्रेशन से राज्य को मिलने वाले राजस्व में वृद्धि होगी और मोबाइल फोन भी सुरक्षित रहेंगे। नई प्रणाली के लागू होने के बाद मूल रूप से ग्रे मार्केट से मोबाइल आयात और बिना बिल तथा वारंटी के बेचे जाने वाले फोन का कारोबार खत्म हो जाएगा। नए नियम के तहत नेपाल में फोन सेट पर मोबाइल सिम कार्ड तब तक काम करेगा, जब तक सैट का इंटरनेशनल मोबाइल इक्विपमेंट आइडेंटिटी (आईएमईआई) नंबर रजिस्टर नहीं किया जाता। हालांकि मोबाइल फोन सेवा बाधित न हो, इसके लिए एनटीए द्वारा ऐसे लोगों के लिए पंजीकरण कराने के लिए अभी लंबा समय निर्धारित किया है, जिनके पास पहले से ही ऐसे मोबाइल हैं। एक बार जब फोन मोबाइल नेटवर्क से कनेक्ट हो जाता है तो सिस्टम की मदद से उसके आईएमईआई नंबर का पता लगाया जाता है। यदि मोबाइल औपचारिक चैनलों के माध्यम से नहीं आया है तो उसे ब्लॉक कर दिया जाएगा, इसलिए नेपाल में अब मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने के लिए उसका रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है। अब भी जान लें कि एमडीएमएस आखिर है क्या? यह एक ऐसा सुरक्षा सॉफ्टवेयर है, जो दूरसंचार नियामक को उन नीतियों को लागू करने में सक्षम बनाता है, जो अंतिम

उपयोगकर्ता मोबाइल उपकरणों को सुरक्षित, मॉनीटर तथा प्रबंधित करती हैं। नेपाल सरकार की यह केन्द्रित प्रणाली मोबाइल उपकरणों का उनके ह्यअंतर्राष्ट्रीय मोबाइल उपकरण पहचानह्ल (आईएमईआई) नंबर के साथ पंजीकृत होने के बाद रिकॉर्ड रखती है। दरअसल प्रत्येक मोबाइल फोन का 15 अंकों का एक विशिष्ट आईएमईआई नंबर होता है और डुअल सिम फोन सैट के लिए दो आईएमईआई नंबर होते हैं। एमडीएमएस की महत्ता के बारे में एनटीए के उपनिदेशक अच्युतानंद मिश्र का कहना है कि लंबे समय तक रिचार्ज करने पर मोबाइल सैट फटने और कपड़े की जेब में रखे मोबाइल सैट में विस्फोट होने की कई दुर्घटनाएं हुई हैं, जो खासकर तभी होता है जब डिवाइस कम गुणवत्ता का हो। दरअसल ऐसे मोबाइल सैट आवश्यक मानकों को पूरा किए बिना निर्मित किए जाते हैं और एमडीएमएस गुणवत्ता तथा मानकों को पूरा करने वाले वास्तविक मोबाइल उपकरणों को आयात करने में मदद करेगा। यह खोए हुए या चोरी हुए फोन का पता लगाने तथा वास्तविक गुणवत्ता वाले फोन आयात करने में भी मदद करेगा।

नेपाल में मोबाइल फोन के अवैध आयात के कारण सरकार को राजस्व का भी भारी नुकसान हो रहा था और यह प्रणाली सरकार के राजस्व संग्रह में योगदान देने वाले ग्रे मोबाइल फोन के आयात को पूरी तरह समाप्त कर देगी। दरअसल सरकार नेपाल में आयात होने वाले प्रत्येक मोबाइल फोन पर ढ़ाई फीसदी उत्पाद शुल्क और तेरह फीसदी वैट वसूलती है। ग्रे बाजार ऐसा बाजार है, जहां से हजारों मोबाइल सैट बिना बिल और बिना वारंटी के आयात किए जाते हैं। लोग बड़ी आसानी से बैग, कार्गो या अपने कपड़ों की जेब में ही ऐसे मोबाइल खरीदकर लाते रहे हैं। व्यापारी संगठनों के अनुसार नेपाल ने वित्त वर्ष 2019-20 में 4.3 मिलियन यूनिट मोबाइल फोन का आयात किया, जिनमें से करीब 40 फीसदी ग्रे चैनल के माध्यम से आए। नेपाल में बाहर से आने वाले मोबाइल फोन का बहुत बड़ा बाजार है। सीमा शुल्क विभाग के अनुसार देश ने चालू वित्त वर्ष के शुरूआती 11 महीनों में 34.14 अरब रुपये के मोबाइल फोन का आयात किया जबकि उससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के दौरान आयात केवल 15.74 अरब रुपये था। नेपाल के सीमा शुल्क विभाग के अनुसार लोगों को अब अपने साथ दो मोबाइल डिवाइस लाने की अनुमति होगी, एक उपयोग में और दूसरा अतिरिक्त या नए फोन सेट के रूप में। यदि कोई इससे ज्यादा मोबाइल सैट लाता है तो उसे खरीद बिल जमा करके सीमा शुल्क का भुगतान करना होगा। नेपाली मोबाइल डीलरों का मानना है कि एमडीएमएस प्रणाली लागू होने के बाद नेपाल में मोबाइल फोन महंगे हो सकते हैं और खासकर जो ग्रे मार्केट से आयात होते रहे हैं। भारत से भी बड़ी संख्या में मोबाइल फोन नेपाल जाते हैं लेकिन नया नियम लागू होने के बाद इस कारोबार पर बड़ा असर पड़ना तय है। भारत-नेपाल के बीच रोटी-बेटी के संबंध हैं, इसीलिए दोनों देशों के नागरिक एक-दूसरे से सामान खरीदकर ले जाते हैं लेकिन नए नियम का भारत के सीमांत बाजार पर काफी असर पड़ेगा, जिस कारण सीमांत के व्यापारियों में आक्रोश है।

एक नजर इधर भी, छोड़ा जाएदा

राजनीति के पिच पर,
बिछने लगी विसात।
दल के मुखिया साध निशाना,
खूब कर रहे याद।।
ब्राह्मण सम्मेलन के जरिए,
बंधता हमदर्दी का पुल।
आगे की सुधि लेने में ,
पीछे कर गए भूल।।
पछितावा अब काहे का।
छोड़ा--- जाएदा।

गौरीशंकर पाण्डेय सरस

कोरोना से बचाव हेतु जागरूकता जरूरी

देश में जब - जब चुनाव होते है, हर बार चुनाव आयोग की ओर से चुनाव आचार संहिता लागू की जाती है जिससे चुनाव में अनियमिततायें न हो एवं चुनाव सही ढ़ंग से सम्पपन्न हो जाय। कोरोना काल के दौरान हो रहे चुनाव आचार संहिता में कोरोना न फैले इस ओर भी चुनाव आयोग का घ्यान होना चाहिए पर ऐसा नहीं हुआ। जिसका परिणाम यह हुआ कि कोरोना देश में फिर से घुस ही नहीं गया गांवों तक फैल गया। यदि इस दिशा में चुनाव आयोग जागरूक होता तो आचार संहिता में कोरोना के फैलने के मुख्य कारक रैली, चुनाव सभा में अनियंत्रित भीड़ पर प्रतिबंद लगाया होता। जब तक इस दिशा में ध्यान गया तब तक कोरोना बहुत दूर तक अपना पग पसार चुका था। देश में फिर चुनाव काल आने वाला है,। अभी कोरोना के पांव थमे हुये है। फिर से कोरोना के पग पसरे नहीं , चुनाव काल में चुनाव आयोग की जागरूकता बहुत जरूरी है। इस दिशा में चुनाव आयोग के साथ - साथ सरकार एवं राजनीतिक दलों की भी जागरूकता बहुत जरूरी है।

इस तरह के अनेक पैमाने है जिसके सहारे कोरोना फिर से अपना पग पसार सकता है। ऐसे सामूहिक सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक कार्यक्रम जहां अनियंत्रित भीड़ होने की संभावना बनी रहती है, सभी की जागरूकता जरूरी है। ऐसे समय में जहां कोरोना का प्रभाव अभी भी कायम है, इस तरह के आयोजनों में सोशल डिस्टेंसी बनाये रखते हुये सीमित संख्या में आयोजन करने का दायित्व निभाना

देश के सभी नागरिक का कर्तव्य है। कोरोना से बचाव हेतु हर दिशा में जागरूकता बहुत जरूरी हे। कोरोना से बचाव हेतु जब तक कोरोना प्रभाव बना हुआ है, खान - पान, भ्रमण, कार्य शैली, दैनिक दिनचर्या में जागरूकता बहुत जरूरी हे। इस दौरान कोरोना गाईड की पालना करना बहुत जरूरी है। कोरोना से बचाव हेतु आये वेक्सीन को समय से लगाकर संयम एवं सावधान रहते हुये अपनी दिनचर्या को करना इस दिशा में सही जागरूकता है। वैक्सीन लगा लेने के बाद यह समझ लेना कि हम पूर्ण रूप से सुरक्षित हो चुके है, यह सबसे बड़ी भूल होगी। इस प्रकार की सोच में लापरवाही प्रवेश कर फिर से कोरोना का शिकार बना सकती है। फिर इस बात को ज्यादा बल मिलने लगता कि वैक्सीन बेअसरदार है। इसकी आड़ में की गई लापरवाही की चर्चा नहीं होती।

वैक्सीन पूर्णरूप से कारगर है, कोरोना से बचाव का फिलहाल एकमात्र यहीं कवच है पर जब तक कोरोना जड़ से खत्म नहीं हो जाता तब तक इस कवच को पहन लेने के बाद भी फिलहाल जागरूकता जरूरी है। कोरोनाकाल में आना - जाना, पूजा - पाठ, मिलना - जुलना, सबकुछ बंद रहा। वैक्सीन आने के बाद इस तरह की बंद पड़ी गतिविधियां शुरू हुई है। इस हालात मे जागरूकता जरूरी है। इस दिशा में आई जागरूकता लापरवाही करने से रोक सकती है। जब कोरोना के तीसरे चरण की सुगबुगाहट होने लगी है तो इससे बचने के लिये सभी को जागरूक होना जरूरी है। वरना कोरोना के पहले , दूसरे चरण से भी भयावह स्थिति हो सकती है। अभी देश के बच्चों को वैक्सीन नहीं लगी है। हमारी जरा सी असावधानी एवं लापरवाही इन बच्चों के भविश्य को संकट में डाल सकती है। ये बच्चे हमारे भविश्य है। जिसकी सुरक्षा का दायित्व हर एक के कंधे पर है। इन्हें बचाने के लिये कोरोना के मामले में सभी की जागरूकता जरूरी है। देश में चुनाव ,बच्चों की परीक्षा समय पर हो, पर्व त्योंहार भी मनें, एक दुसरे से मिलना - जुलना भी हो सके, पर कोरोना के पग फिर से न पसरे, इस ओर जागरूकता जरूरी है।

सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ने की कार्यकर्ताओ संग की बैठक, 10 जनपद की सामाजिक यात्रा पर निकले राजपाल कश्यप

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर उ०प्र० के हर जिलो मे समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एंव विधान परिषद् सदस्य राजपाल कश्यप सधन दौरा कर रहे हैं। वाराणसी आगमन के पश्चात रात्रि में ही बाबा काशी विश्वनाथ के दर्शन कर सर्किट हाउस में रात्रि विश्राम किया। सुबह ही विधान परिषद् सदस्य राजपाल कश्यप सर्किट हाउस से निकलकर राजेन्द्र प्रसाद घाट पहुँचे और वहाँ पर मांझी समाज के अध्यक्ष सोनू साहनी, बाबू साहनी टेलीविजन, दिनेश साहनी, प्रकाश साहनी, सम्भु साहनी, पन्ना साहनी, प्रमोद साहनी, लवकुश मांझी, राकेश साहनी, प्रमोद मांझी, विक्की साहनी, अज्जू साहनी, संजय साहनी,गोविंद साहनी आदि लोगों ने माल्यार्पण कर नागरिक अभिनंदन किया। राजेन्द्र प्रसाद घाट से मल्लाह समाज व मांझी समाज के लोगों के साथ नौका यात्रा करते हुए अस्सी घाट पहुँचे जहाँ पिछड़ा, अति पिछड़ा मांझी समाज व मल्लाह समाज के लोगों के साथ विशाल जनवार्ता हुई और

वहाँ से लोहता स्तिथ केराकतपुर के कार्यक्रम में पहुँचे व कार्यक्रम को संबोधित किया। स्वागत करने वालों में लोहियावाहिनी अध्यक्ष दीपचंद गुप्ता , अनुसूचित जाति जनजाति अध्यक्ष अजय प्रकाश राजू ,सांस्कृतिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष विश्वनाथ पटेल, अल्पसंख्यक अध्यक्ष जावेद अंसारी, महानगर अध्यक्ष मुलायम सिंह युथ ब्रिगेड अब्दुल कलाम कुरैशी,पूर्व पार्षद महेंद्र सिंह शक्ति, डब्लू मौर्या महानगर उपाध्यक्ष, युवजन सभा महानगर अध्यक्ष सत्यप्रकाश सोनकर, पार्षद दल के नेता कमल पटेल,पूर्व पार्षद वरुण सिंह, शिक्षक सभा जिलाध्यक्ष संजय प्रियदर्शी , नेवादा राजबहादुर पटेल अनिल पटेल ने जगह जगह काफिला को रोककर स्वागत किया। सर्किट हाउस में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए राजपाल कश्यप ने कहा कि ये मोदी और योगी की सरकार गरीब विरोधी सरकार है, यहाँ सिर्फ गरीबों को राम के नाम पर, धर्म और जाती के नाम पर बांट कर राजनीति करते हैं। आज मल्लाह और मांझी समाज के लोग नाव चला के पेट पालते हैं ये आदि काल से यह कार्य करते आये हैं जिसको भाजपा खत्म करना चाहती है और यहाँ क्रूज चलाना चाहती है, राजपाल कश्यप ने कहा कि यहाँ गुजराती नाव नही बनारसी नाव चलेगी। उज्वला के नाम पर हमारी गरीब महिलाओं बहनों को ठगा गया, स्मार्ट सिटी के नाम पर स्मार्ट मीटर लगाकर जनता को लूट रहे हैं। यहां विदेशी कंपनी आकर यहां पर बनारसी लोगों का धंधा छीन लिया, बनारस के रहने वाले लोगों को परेशान किया जा रहा है नौकरी गई, रोजगार नही मिला, कोरोनाकाल में स्वास्थ्य सुविधाओं का क्या हाल रहा सबने देखा, लोगो ने अपनी जान गवाई है सरकार की दुर्व्यवस्था के कारण। राजपाल कश्यप ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मोदी के शासनकाल में अघोषित इमरजेंसी है।

ले0जनरल रविन्द्र प्रताप शाही की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार मे हुई आपदा प्रबंधन की बैठक

प्रखर पूर्वांचल महाराजगंज ब्यूरो। उ0प्र0राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण लखनऊ के मा0उपाध्यक्ष ले0जनरल रविन्द्र प्रताप शाही की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में आपदा प्रबन्धन पर जिलाधिकारी एवं सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई।

मा0उपाध्यक्ष द्वारा समीक्षा बैठक में महाव तटबन्ध की टूटने की सूचना पर तत्काल अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बन्धे का मरम्त जल्द से जल्द करा दिया जाय जिससे आने वाले समय में भारी बारिश से बचाव किया जा सके। उन्होने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी का भी निर्देश है कि दैवीय आपदा की स्थिति में अधिकारीगण तत्परता से कार्य करते हुए जान माल व संभावित क्षति से अधिकतम बचाव का प्रयास। उन्होने यह भी कहा कि आपदा से होने वाली क्षति की जांच व सत्यापन शीघ्र सुनिश्चित करें ताकि शासन द्वारा मिलने वाले राहत व अनुदान को ससमय उपलब्ध कराया जा सके।

उन्होने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि दामिनी ऐप से स्वयं को जोडते हुए अपने अधीनस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों को भी जोडे तथा ग्रामीण क्षेत्रों में इसका प्रचार प्रसार करायें। उन्होने कहा कि इस ऐप पर भारी बारिश, आकाशीय बिजली, भूकम्प आदि की सूचना समय से प्राप्त होती है। ऐसी स्थिति में आमजन को जानकारी प्राप्त होने पर वे स्वयं के बचाव के साथ अन्य का भी बचाव कर सकेंगे। उन्होने सीएमओ को निर्देशित किया कि जीवन रक्षक दवाओं की समुचित उपलब्धता को बनाये रखे,ताकि आपदा के समय किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बैठक में जिलाधिकारी डॉ.उज्ज्वल कुमार द्वारा बाढ़ से बचाव हेतु किये गये तैयारियों से अवगत कराया गया। उन्होने कहा कि जनपद में बचाव, राहत तथा बंधों के निरीक्षण हेतु चार जोनल, 19 सेक्टर तथा 36 सहायक समन्वयक नामित किए गए हैं। 78 गाँवों के सापेक्ष 231 गोताखोर व तैराकों की व्यववस्था की गयी है। 29 बाढ़ चौकी के लिए 276 गाँवों को संबद्ध किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

आर आई चंदौली की बिगड़ी बोल एडिशनल एसपी चंदौली को कहा जाति सूचक शब्द

प्रखर पूर्वान्चल चन्दौली। पुलिस महकमे से बेहद ही हैरान कर देने वाली खबर सामने आ रही है। अपने अनुशासन के लिए पहचाने जाने वाले पुलिस विभाग में मयार्दाएं तार-तार हुई हैं। अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन अनिल कुमार ने पुलिस लाइन के प्रतिसार निरीक्षक पर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने और दबंगई दिखाने का आरोप लगाते हुए सीएम, डीजीपी और प्रमुख सचिव गृह सहित उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर मामले की शिकायत की है। घटना से पुलिस महकमे में खलबली मची हुई है। एएसपी आपरेशन अनिल कुमार का आरोप है कि वह 27 जुलाई को पुलिस लाइन कार्यालय में अर्द्धवार्षिक निरीक्षण कर रहे थे। उन्होंने मातहतों से गणना और नियुक्ति रजिस्टर लाने को कहा। उनके सामने गणना रजिस्टर आया लेकिन नियुक्ति रजिस्टर नहीं लाया गया। कारण पूछने पर पता चला कि नियुक्ति रजिस्टर बना ही नहीं है। कारण आरआई अपने मन से पुलिसकर्मियों की नियुक्ति करते और हटाते हैं। आरोप है कि कुछ ही देर बाद आरआई कार्यालय में आए और आते ही हड़काना शुरू कर दिया। जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने के साथ ही यह भी कहा कि तुम जैसे लोग हमारे घर में कूड़ा फेंकते हैं। एसपी से लेकर आईजी और डीआईजी मेरी जेब में रहते हैं। तुम रजिस्टर मांगने वाले कौन होते हो। आरआई के व्यवहार से आहत एएसपी ने सीएम सहित महकमे के सभी उच्चाधिकारियों को पत्र लिखकर मामले की शिकायत की है। आरआई ने उनके मान-सम्मान को गहरा आघात पहुंचाया है। एएसपी के इस कदम से महकमे में खलबली मची हुई है। जितने मुंह उतनी बातें हो रही हैं।

सरकार का संकल्प, सड़कों का हो कायाकल्प

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। मुराहु सिंह इंटर कालेज मनउर, के बगल से निकलने वाला यह कीचड़ से भरा मार्ग मनउर पश्चिम पट्टी को जोड़ने वाला एकमात्र संपर्क मार्ग है।इसी मार्ग पर इंटर कालेज में छात्राओं को जाने के लिए गेट लगा हुआ है।इसी मार्ग पर पंचायत भवन भी है,इसी मार्ग पर प्राइमरी स्कूल भी है। हमेशा इस मार्ग पर पानी, कीचड़ भरा रहता है। पिछले चार पांच वर्षों से प्राईमरी स्कूल के बच्चों, इंटर कालेज के बच्चों सहित ग्राम पंचायत मनउर के लोग इस कीचड़ भरे मार्ग से आने जाने के लिए मजबूर हैं।इस मार्ग के निर्माण के संबंध में कई बार संबंधित विभाग को भी अवगत कराया जा चुका है लेकिन किसी का ध्यान नहीं है।इस क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों का भी इस मार्ग पर ध्यान नहीं है। सिर्फ सड़कों पर जगह-जगह,बड़े-बड़े होडिंगों पर सरकार के संकल्पों से सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। जबकि मार्गों की हकीकत कुछ इस तरह है।ऐसे ही जिले के बहुत सारे प्रमुख मार्गों सहित संपर्क मार्गों का यही हाल है।इस मार्ग सहित जिले के वहुत सारे छतिग्रस्त मार्ग अपने कायाकल्प का इंतजार कर रहे हैं।

सपा पिछड़ा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष का किया गया स्वागत

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। थाना क्षेत्र के मेंहदी पुर स्थित चुनार चौराहे पर नगर अध्यक्ष नरेंद्र मौर्य के नेतृत्व मे सपा कार्यकताओं ने पिछड़ा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष राजपाल कश्यप का भव्य माल्यार्पण कर स्वागत किया आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी को मजबूती के लिए अहरौरा व सोनभद्र का भ्रमण किया उपस्थित रहने वालों में जिला पंचायत सदस्य राम मनोहर उर्फ गुड्डू ,रोशन हाफिज, प्रमोद केसरी,विनोद चौधरी, इरफान अंसारी, मो अजीम, मुलायम सिंह, आर्यन मौर्य, अमित केसरी, उपेंद्र यादव, राजदीप विश्वकर्मा ,अजय सिंह आदि।

ट्यूबेल की नाली की सफाई किसानों ने की

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा विकास खण्ड के ग्राम सभा जलालपुर में ट्यूबेल के नाली के जाम के समस्या से परेशान किसान बुधवार को स्वयं फावड़ा लेकर सफाई में जुट गए। इसके पहले कई बार तहसील दिवस से लगायत अधिकारियों के यहाँ गुहार लगाई लेकिन कोई सुनवाई न होते देख स्वयं नाले की सफाई कर दी। ग्रामीण किसानो ने बताया कि ग्राम प्रधान जेपी शर्मा से मनरेगा द्वारा नाली की सफाई का कार्य कराने की भी मांग की लेकिन ग्राम प्रधान ने हीलाहवाली की तो उसके बाद गांव के लोगों ने ही स्वयं से पूरी नाली की सफाई करने का निर्णय लिया और पूरे दिन में किसानों ने उक्त नाली साफ कर दी।

अभद्र टिप्पणी करने पर छत्रपति सेना ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपां

प्रखर जमुई मिजार्पुर । छत्रपति सेवा संघ(छत्रपति सेना) के तत्वाधान में उप जिलाधिकारी चुनार को ज्ञापन सौंपा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की सहमति से प्रतापगढ़ में राजकीय मेडिकल कॉलेज का नाम यश कायी बोधिसत्व डॉक्टर सोनेलाल पटेल के नाम पर रखा गया,तत्पश्चात प्रतापगढ़ के पूर्व विधायक बृजेश मिश्रा सौरभ ने डॉक्टर सोनेलाल पटेल पर अभद्र टिप्पणी करते हुए कहा कि डॉक्टर सोनेलाल पटेल नाम ही जैसे सोने का अंडा देने वाला नाम है तथा यह भी कहा कि प्रतापगढ़ के नवनिर्मित मेडिकल कॉलेज का नाम डॉक्टर सोनेलाल पटेल के नाम पर क्यों? ब्राम्हण, ठाकुर के धर्मा धीशों एवं स्थानीय राजाओं के नाम पर क्यों नहीं ?इस प्रकार बृजेश मिश्रा ने डॉक्टर सोनेलाल पटेल के नाम पर अभद्र टिप्पणी करके यह जता दिया कि मनुवादी लोगों की नजर में पिछड़ों ,दलितों वंचितों एवं कमेरा वर्ग के महापुरुषों का कोई वजूद नहीं है ,इस घटना को लेकर कमेरा समाज में गहरा आक्रोश है, दलितों, पिछड़ों एवं कमेरा समाज के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष करते हुए अपने प्राणों को न्यौछावर करने वाले डॉक्टर सोनेलाल पटेल पर अभद्र टिप्पणी करने वाले बृजेश मिश्रा एवं उनके जैसे अन्य मनुवादी मानसिकता के लोगों की छत्रपति सेना कड़ी से कड़ी निंदा एवं भर्त्सना करते हुए उपजिलाधिकारी चुनार मिजार्पुर को ज्ञापन सौंपते हुए माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करता है कि डॉक्टर सोनेलाल पटेल पर अभद्र टिप्पणी करने वाले पूर्व विधायक बृजेश मिश्रा सौरभ पर एफ आई आर दर्ज कर तत्काल जेल भेजा जाए तथा 1999 में पीडी टंडन पार्क इलाहाबाद में डॉक्टर सोनेलाल पटेल पर हुए आत्मघाती हमले एवं 2009 में हुई उनकी संदिग्ध मृत्यु पर सीबीआई जांच कराई जाए, यदि संगठन की मांग पूरा नहीं होता है तो संगठन समान विचारधारा वाले संगठनों के साथ कमेरा समाज के पुरोधा को सम्मान दिलाने के लिए सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की होगी, छत्रपति सेना के संरक्षक गौरव सिंह पटेल जी के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपते समय छत्रपति सेना प्रमुख व अनूप सिंह, जिला युवा महासचिव विकास पटेल, ग्राम प्रधान शिवराजपुर पवन पटेल, युवा नेता संदीप पटेल उर्फ सोनू, पूर्व ग्राम प्रधान रानीपुर विजय सिंह, ग्राम प्रधान घरवासपुर शैलेंद्र प्रताप सिंह, विशाल सिंह, सत्यम सिंह, ब्लॉक प्रभारी सतीश सिंह ,अभिषेक सिंह, प्रचार सचिव आयुष सिंह, प्रदीप सिंह ,सत्यम सिंह पटेल, इंद्रजीत सिंह ,आशीष सिंह ,असीम सिंह ,दीपक सिंह ,श्री प्रकाश सिंह तमाम युवा क्रांतिकारी साथी मौजूद थे।

पिपरा तहसीलदार के दबंग पंचायत मित्र द्वारा किया जा रहा है अवैध नाली का निर्माण

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। फरेंदा ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम सभा पिपरा तहसील दार में पंचायत मित्र द्वारा अपने व्यक्तिगत नाली का निर्माण ग्राम सभा के मुख्य मार्ग पर कराया जा रहा है । जिस रास्ते से होकर गांव के लगभग 20 से 25 घरों के लोग आवागमन करते हैं । नाली निर्माण होने से मात्र 4 फुट चौड़े मार्ग में अवरोध उत्पन्न होगा और किसी भी समय यहाँ पर अनहोनी की भी आशंका जताई जा सकती है।आपको बता दें पूरा मामला पिपरा तहसील दार का है जिसमें एक दबंग पंचायत मित्र धर्मेन्द्र जायसवाल अपने घर के बाथरूम टॉयलेट और अन्य कूड़े कचरे का नाली ग्राम सभा के मुख्य मार्ग से होते हुए ड्रेनेज में गिरवा रहा था जिस पर ग्रामीणों ने विरोध किया तो उक्त पंचायत मित्र व उसके परिवार हाथापाई और गाली-गलौज करने लगा।और कौशल पुत्र बेचन के घर की बुजर्ग महिला को धक्का दे कर गिरा दिया जिससे उनके सिर में चोटें आयी हैं । और गाँव के तमाम लोगों को भी गाली देते हुए अपने पद की हनक में कहते सुने गये कि जो लोग मेरे खिलाफ में बोलेंगे उनका मनरेगा के जाब कार्ड से नाम कटवा कर उन्हें मनरेगा से भी वंचित करा दूँगा।

कैंट स्टेशन पर लगे उर्दू बोर्ड में शब्दों की त्रुटियों को ठीक करने व उसे अपने जगह पर लगाने की मांग को लेकर स्टेशन निदेशक से मिला नागरिक समाज - मनीष शर्मा

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कैंट स्टेशन पर लगे उर्दू बोर्ड को आंदोलन के बाद लगा तो दिया गया लेकिन उसमें जो वाराणसी शब्द गलत लिखा हुआ है और गलत जगह पर वो बोर्ड लगा हुआ है, जिसको ठीक करने की याद दिलाने के लिये आज फिर नागरिक समाज का एक प्रतिनिधिदल कैंट स्टेशन निदेशक से मिला। प्रतिनिधिदल के सदस्यों ने स्टेशन निदेशक से कहा कि 3 महीने पहले जब ये बोर्ड लगा था तभी आपको इसके शब्दो की त्रुटि और बोर्ड को गलत जगह पर लगने की बात कही गयी थी, जिसपर आप द्वारा तुरंत इस बोर्ड को हटा दिया गया था और कहा गया था कि जल्दी ही इसे ठीक करके इसको इसके जगह पर लगा दिया जाएगा, लेकिन 15 दिनों बाद उसी बोर्ड को पुनः उसी स्थान पर बिना त्रुटि सही किये हुए लगा दिया गया ।

इससे ये प्रतीत होता है कि खास तरह की सरकार को खुश करने के लिए, उर्दू की उपेक्षा जानबूझकर रेल प्रशासन द्वारा किया जा रहा है, जिसपर निदेशक ने सफाई देते हुए कहा कि उर्दु बोर्ड के शब्दों में त्रुटियां है इसकी जानकारी मुझे नही है, विभाग द्वारा जांच करवा कर इसे जल्द ठीक कर दिया जाएगा।

निदेशक की सफाई पर प्रतिनिधिदल के सदस्य मनीष शर्मा ने कहा कि बेशक आप इसकी जांच करवाईये लेकिन एक समय भी निर्धारित करे कि कब तक ये ठीक हो जाएगा, क्योकि इस त्रुटि की वजह से बनारस आहत हो रहा है, और प्रदेश व देश-विदेश में बनारस के साथ ही साथ रेल विभाग का भी परिहास उड़ाया जा रहा है। मनीष शर्मा ने कहा कि इस बोर्ड की त्रुटि को यदि विभाग चाहे तो एक दिन में दूर कर सकती है। प्रतिनिधिदल ने निदेशक को चेतावनी दी कि बनारस का और उर्दू का मजाक बनाना बन्द करे रेल प्रशासन और एक सप्ताह के भीतर बोर्ड को ठीक करत हुए उसे अपनी पुरानी जगह पर लगाए अन्यथा एक और आंदोलन के लिए तैयार रहे। प्रतिनिधिदल में मुख्यरूप से मनीष शर्मा,जेपी निराला, आबिद शेख, करीम रंगरेज,इश्वर सिंह,जुबैर खान,राजेश प्रजापति,शहजादी बानो आदि शामिल थे।

कार्यालय ग्राम पंचायत रानीपुर वि.ख. खुटहन, जिला जौनपुर

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तिय वर्ष 2021-22 में चौदहवां राज्य वित्त/पंद्रहवां राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण आंगनबाड़ी केन्द्र योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 29.07.2021 से 05.08.2021 तक कार्यालय दिवस में अपरान्ह 2.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबंद निविदा जमा कर सकते हैं जो दिनांक 07.08.2021 को निविदा हेतु गठित कमेठी या निर्माण समिति के सदस्यो के समक्ष अपरान्ह 4 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी। पंचायत भवन, दिव्यांग शौचालय, सामुदायिक शौचालय

क्र. सं.	सामग्री आपूर्ति	मात्रा	दर
01	ईंट 150 एम.एम. प्रथम श्रेणी व द्वितीय श्रेणी	प्रति हजार	
02	सीमेंट	प्रति बैग	
03	मोरंग बालू मोटा बालू बोल्डर	प्रति घनमी.	
04	महीन बालू लोकल बालू	प्रति घनमी.	
05	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम.एम. से 53 एम.एम.	प्रति घनमी.	
06	ईंट गिट्टी	20-40 एम.एम.	
07	सरिया 2 एम.एम. 3 एम.एम. 4 एम.एम.	प्रति कुंतल	
08	ह्यूम पाईप 350 एम. कट स्टोन स्टोन चौका पटिया	प्रति नग	
09	ह्यूम पाईप 600 900 एम.एम. पी.वी.सी. पाइप	प्रति नग	
10	सोलर लाईट व स्ट्रीट लाईट	प्रति घनमी.	
11	सबमर्सिबल पम्प 1 एच.पी.	प्रति सेट	
12	सिलिंग फैन/कैबल तार वायरिंग		
13	कन्स्ट्रक्शन ज्वाइण्ट सफाई कीट		
14	पालीथीन गाली फर्निचर	प्रति मी.	
15	साईन बोर्ड गेट लोहा इँटरलाकिंग सीमेंट ईंट एल्युमिनियम दरवाजा	प्रति नग	
16	टाईल्स शौचालय सेट कोटा स्ट्रोन	प्रति नग	
17	हैण्ड पम्प सामग्री व रिबोर	प्रति नग	
18	कोविड 19 के सामान व उपकरण की आपूर्ति	प्रति नग	
19	अन्य आवश्यक सामग्री		

प्रतिबन्ध व शर्तें :- सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री आपूर्ति ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी। अथवा नहीं आपूर्ति वाणिज्यकर्ता एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुति दर पी.डब्ल्यू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रुपये 110 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत व वाणिज्य कर 2.24 प्रतिशत आयकर आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

सिम्मी सिंह
ग्राम पंचायत सचिव
ग्राम पंचायत रानीपुर
वि. ख. खुटहन, जौनपुर

सुबास चन्द्र यादव
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत रानीपुर
वि. ख. खुटहन, जौनपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत कबीरुद्दीनपुर वि.ख. खुटहन, जिला जौनपुर

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तिय वर्ष 2021-22 में चौदहवां राज्य वित्त/पंद्रहवां राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण आंगनबाड़ी केन्द्र योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 29.07.2021 से 05.08.2021 तक कार्यालय दिवस में अपरान्ह 2.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबंद निविदा जमा कर सकते हैं जो दिनांक 07.08.2021 को निविदा हेतु गठित कमेठी या निर्माण समिति के सदस्यो के समक्ष अपरान्ह 4 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी। पंचायत भवन, दिव्यांग शौचालय, सामुदायिक शौचालय

क्र. सं.	सामग्री आपूर्ति	मात्रा	दर
01	ईंट 150 एम.एम. प्रथम श्रेणी व द्वितीय श्रेणी	प्रति हजार	
02	सीमेंट	प्रति बैग	
03	मोरंग बालू मोटा बालू बोल्डर	प्रति घनमी.	
04	महीन बालू लोकल बालू	प्रति घनमी.	
05	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम.एम. से 53 एम.एम.	प्रति घनमी.	
06	ईंट गिट्टी	20-40 एम.एम.	
07	सरिया 2 एम.एम. 3 एम.एम. 4 एम.एम.	प्रति कुंतल	
08	ह्यूम पाईप 350 एम. कट स्टोन स्टोन चौका पटिया	प्रति नग	
09	ह्यूम पाईप 600 900 एम.एम. पी.वी.सी. पाइप	प्रति नग	
10	सोलर लाईट व स्ट्रीट लाईट	प्रति घनमी.	
11	सबमर्सिबल पम्प 1 एच.पी.	प्रति सेट	
12	सिलिंग फैन/कैबल तार वायरिंग		
13	कन्स्ट्रक्शन ज्वाइण्ट सफाई कीट		
14	पालीथीन गाली फर्निचर	प्रति मी.	
15	साईन बोर्ड गेट लोहा इँटरलाकिंग सीमेंट ईंट एल्युमिनियम दरवाजा	प्रति नग	
16	टाईल्स शौचालय सेट कोटा स्ट्रोन	प्रति नग	
17	हैण्ड पम्प सामग्री व रिबोर	प्रति नग	
18	कोविड 19 के सामान व उपकरण की आपूर्ति	प्रति नग	
19	अन्य आवश्यक सामग्री		

प्रतिबन्ध व शर्तें :- सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री आपूर्ति ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी। अथवा नहीं आपूर्ति वाणिज्यकर्ता एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुति दर पी.डब्ल्यू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रुपये 110 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत व वाणिज्य कर 2.24 प्रतिशत आयकर आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

उगेश पाठक
सचिव
ग्राम पंचायत कबीरुद्दीनपुर
वि. ख. खुटहन, जौनपुर

विवेक यादव
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत कबीरुद्दीनपुर
वि. ख. खुटहन, जौनपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत लवायन वि.ख. खुटहन, जिला जौनपुर

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तिय वर्ष 2021-22 में चौदहवां राज्य वित्त/पंद्रहवां राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण आंगनबाड़ी केन्द्र योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 29.07.2021 से 05.08.2021 तक कार्यालय दिवस में अपरान्ह 2.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबंद निविदा जमा कर सकते हैं जो दिनांक 07.08.2021 को निविदा हेतु गठित कमेठी या निर्माण समिति के सदस्यो के समक्ष अपरान्ह 4 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी। पंचायत भवन, दिव्यांग शौचालय, सामुदायिक शौचालय

क्र. सं.	सामग्री आपूर्ति	मात्रा	दर
01	ईंट 150 एम.एम. प्रथम श्रेणी व द्वितीय श्रेणी	प्रति हजार	
02	सीमेंट	प्रति बैग	
03	मोरंग बालू मोटा बालू बोल्डर	प्रति घनमी.	
04	महीन बालू लोकल बालू	प्रति घनमी.	
05	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम.एम. से 53 एम.एम.	प्रति घनमी.	
06	ईंट गिट्टी	20-40 एम.एम.	
07	सरिया 2 एम.एम. 3 एम.एम. 4 एम.एम.	प्रति कुंतल	
08	ह्यूम पाईप 350 एम. कट स्टोन स्टोन चौका पटिया	प्रति नग	
09	ह्यूम पाईप 600 900 एम.एम. पी.वी.सी. पाइप	प्रति नग	
10	सोलर लाईट व स्ट्रीट लाईट	प्रति घनमी.	
11	सबमर्सिबल पम्प 1 एच.पी.	प्रति सेट	
12	सिलिंग फैन/कैबल तार वायरिंग		
13	कन्स्ट्रक्शन ज्वाइण्ट सफाई कीट		
14	पालीथीन गाली फर्निचर	प्रति मी.	
15	साईन बोर्ड गेट लोहा इँटरलाकिंग सीमेंट ईंट एल्युमिनियम दरवाजा	प्रति नग	
16	टाईल्स शौचालय सेट कोटा स्ट्रोन	प्रति नग	
17	हैण्ड पम्प सामग्री व रिबोर	प्रति नग	
18	कोविड 19 के सामान व उपकरण की आपूर्ति	प्रति नग	
19	अन्य आवश्यक सामग्री		

प्रतिबन्ध व शर्तें :- सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री आपूर्ति ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी। अथवा नहीं आपूर्ति वाणिज्यकर्ता एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुति दर पी.डब्ल्यू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रुपये 110 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत व वाणिज्य कर 2.24 प्रतिशत आयकर आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

उगेश पाठक
सचिव
ग्राम पंचायत लवायन
वि. ख. खुटहन, जौनपुर

विद्या देवी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत लवायन
वि. ख. खुटहन, जौनपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत वीरीसमसुद्दीनपुर वि.ख. खुटहन, जिला जौनपुर

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तिय वर्ष 2021-22 में चौदहवां राज्य वित्त/पंद्रहवां राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण आंगनबाड़ी केन्द्र योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों के लिए निम्नलिखित निर्माण सामग्रियों को क्रय करने हेतु अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 29.07.2021 से 05.08.2021 तक कार्यालय दिवस में अपरान्ह 2.00 बजे तक प्रधान ग्राम पंचायत के कार्यालय पर सीलबंद निविदा जमा कर सकते हैं जो दिनांक 07.08.2021 को निविदा हेतु गठित कमेठी या निर्माण समिति के सदस्यो के समक्ष अपरान्ह 4 बजे खोली जायेगी। निविदा फार्म पैड पर होगी। पंचायत भवन, दिव्यांग शौचालय, सामुदायिक शौचालय

क्र. सं.	सामग्री आपूर्ति	मात्रा	दर
01	ईंट 150 एम.एम. प्रथम श्रेणी व द्वितीय श्रेणी	प्रति हजार	
02	सीमेंट	प्रति बैग	
03	मोरंग बालू मोटा बालू बोल्डर	प्रति घनमी.	
04	महीन बालू लोकल बालू	प्रति घनमी.	
05	स्टोन ब्लास्ट 22.4 एम.एम. से 53 एम.एम.	प्रति घनमी.	
06	ईंट गिट्टी	20-40 एम.एम.	
07	सरिया 2 एम.एम. 3 एम.एम. 4 एम.एम.	प्रति कुंतल	
08	ह्यूम पाईप 350 एम. कट स्टोन स्टोन चौका पटिया	प्रति नग	
09	ह्यूम पाईप 600 900 एम.एम. पी.वी.सी. पाइप	प्रति नग	
10	सोलर लाईट व स्ट्रीट लाईट	प्रति घनमी.	
11	सबमर्सिबल पम्प 1 एच.पी.	प्रति सेट	
12	सिलिंग फैन/कैबल तार वायरिंग		
13	कन्स्ट्रक्शन ज्वाइण्ट सफाई कीट		
14	पालीथीन गाली फर्निचर	प्रति मी.	
15	साईन बोर्ड गेट लोहा इँटरलाकिंग सीमेंट ईंट एल्युमिनियम दरवाजा	प्रति नग	
16	टाईल्स शौचालय सेट कोटा स्ट्रोन	प्रति नग	
17	हैण्ड पम्प सामग्री व रिबोर	प्रति नग	
18	कोविड 19 के सामान व उपकरण की आपूर्ति	प्रति नग	
19	अन्य आवश्यक सामग्री		

प्रतिबन्ध व शर्तें :- सभी कार्य योजना के अनुसार एवं प्राथमिकता के आधार पर कराये जायेंगे सामग्री की मात्रा कार्य स्वीकृत होने के पश्चात तय की जायेगी। आवश्यकता के अनुसार सामग्री आपूर्ति ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत सचिव के आदेश पर की जायेगी। अथवा नहीं आपूर्ति वाणिज्यकर्ता एवं आयकर कार्यालय में पंजीकरण अनिवार्य है। प्रस्तुति दर पी.डब्ल्यू.डी. की दर से अधिक न हो। सामग्री आपूर्तिकर्ता द्वारा रुपये 110 के स्टाम्प पेपर पर भरना अनिवार्य होगा। सामग्री आपूर्ति के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। आपूर्तिकर्ता को 4 प्रतिशत व वाणिज्य कर 2.24 प्रतिशत आयकर आयकर में कटौती के पश्चात ही भुगतान किया जायेगा। निविदा बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निविदा समिति/निर्माण समिति में निहित होगा।

उमेन्द्र यादव
सचिव
ग्राम पंचायत वीरीसमसुद्दीनपुर
वि. ख. खुटहन, जौनपुर

लालबहादुर
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत वीरीसमसुद्दीनपुर
वि. ख. खुटहन, जौनपुर

सुभासपा महिला मंच ने शराब बंदी की उठायी आवाज

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सुभासपा महिला मंच द्वारा जागरूकता अधिकार चेतना सम्मेलन का आयोजन राजमहल उपवन भोजूबीर पर हुआ जिसमें सैकड़ो महिला कार्यकताओं ने अपने अधिकार की हुंकार भड़ी। नवनिर्वाचित जिलापंचायत सदस्यों का जोड़दार स्वागत हुआ। शबबिता सोनकर ब्लाक चोलापुर सेक्टर 03 वंदना भारती ब्लाक चिरईगांव सेक्टर 02 मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष राधिका पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा करने में यह सरकार फेल सावित हुई इसके पहले के सभी रिकार्ड इस सरकार में टूटा है। 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की मांग को लेकर भाजपा 2014 के पहले सड़क पर नंगा नाच कर रही थी। आज 07 साल से भाजपा की सरकार है महिला मंत्रियों को लोडर बनाकर रखी है 33 प्रतिसत ठंडे बस्ते में आज तक लोकसभा में लंबित पड़ा है सुभासपा 2022 में सरकार बनते ही 50 प्रतिसत आरक्षण सभी राजनीतिक गैर राजनीतिक संस्थाओं में लागू करेगी। महिलाओं को स्नातकोत्तर तक फ्री शिक्षा देने का कानून पास करेगी प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री झूठ की पुड़िया है प्रतिदिन झूठ की फुलझड़ी छोड़ते है लेकिन इसी सरकार में महिलाओं का वास्तविक चीरहरण दुनिया ने देखा इससे बड़ा अपमान कभी महिलाओं ने नही देखा। राष्ट्रीय महासचिव मनीषा सिंह ने कहा कि कौशल विकास के माध्यम से महिलाओं को शिक्षित करना घरेलू रोजगार दिलाना, हर महिला के हाथ को कला तकनीकी शिक्षा के मध्यम से जोड़ना, हमारी प्राथमिकता रहेगी। प्रदेश उपाध्यक्ष वंदना सिंह ने कहा कि शराब से महिलाओं के शौहर बर्वाद हो रहे है, दर्जनों बार सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर के नेतृत्व में प्रदेश भर में प्रदर्शन कर राष्ट्रपति राज्यपाल प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री तक प्रार्थना पत्र दिया गया लेकिन इस सरकार को वोट से मतलब है महिलाओं के परेशानी से नही जबकि बगल के राज्य बिहार में पांच साल से शराब बन्द है, इनको अपने पड़ोसी राज्य से सीखना चाहिये। 2022 में इसका हिसाब महिला समाज जरूर लेगा और भागीदारी संकल्प मोर्चा की सरकार बनाकर पहले दिन पहली केबिनेट की पहली कलम से आदेश जारी किया जाएगा शराब बन्द, लड़की को साइकिल बैग किताब कॉपी निशुल्क शिक्षा की व्यवस्था करना ही हमारा संकल्प पत्र होगा। वंदना सिंह ने कहा कि जब तक महिलाओं को हक अधिकार बराबर का सम्मान निशुल्क शिक्षा नही मिलेगा तब तक देश में तरक्की नही कर सकता, महिलाओं के साथ बलात्कार, चैन स्केचिंग, आगजनी, अपहरण शोषण, जैसे नमूने देखने को मिला महंगाई के कारण घरेलू हिंसा का शिकार घर की महिलाये झेल रही है, रसोई के सभी समान के दाम तार के फल जैसा हो गया है,कमाई अठनी खर्च रुपया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सोना राजभर ने किया संचालन हँसा राजभर ने किया। मुख्य रूप से उपस्थित रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर, विधायक कैलाश नाथ सोनकर प्रदेश उपाध्यक्ष शशिप्रताप सिंह, श्रीमती वंदना सिंह, मनीषा सिंह, जि0 पंचायत सदस्य बबिता सोनकर, वंदना भारती, रामकुमारी राजभर, मुन्नी राजभर, उर्मिला राजभर, उर्मिला गुप्ता, उषा राजभर, अनुराधा पटेल, मंजू शाहनी, ज्योति राजभर सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

5 अदद मोटरसाइकिल व तमंचा के साथ दो अभियुक्तों को गहमर पुलिस ने किया गिरफ़्तार

प्रखर सेवराई गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत गहमर कोतवाली पुलिस द्वारा चोरी की 05 अदद मोटरसाइकिल व 01 अदद तंमचा 12 बोर मय 02 अदद जिन्दा कारतूस के साथ 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता हाथ लगी है । जानकारी अनुसार सेवराई चौकी इंचार्ज उप निरीक्षक हरिनारायण शुक्ला मय हमराही द्वारा बारा बिहार बार्डर कर्मनाशा पुल थाना गहमर से मंगलवार की रात वाहन चेकिंग के दौरान करीब दस बजे अभियुक्त गण दिलीप चौहान पुत्र राजन चौहान ग्राम नवली थाना रेवतीपुर के पास से एक अदद तंमचा 12 बोर मय 02 अदद कारतूस 12 बोर व मनोज ठठेर पुत्र रामबचन ठठेर निवासी ग्राम संतरामगंज भदौरा थाना गहमर को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया

उप निरीक्षक देवेंद्र साहू को थाना प्रभारी और साथियों ने दिया भावभीनी विदाई

प्रखर पूर्वान्चल चन्दौली। 2015-16 बैच के होनहार दरोगा देवेंद्र साहू का थाना बबुरी से अन्यत्र थानों के लिए तबादला कप्तान अमित कुमार के द्वारा किया गया। तबादले के बाद थाना बबुरी के तेजतर्रार थानाध्यक्ष सत्येंद्र विक्रम सिंह विदाई समारोह में फूलों का माला पहनाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए थाना बबुरी से विदाई दिया। वही उनके इस विदाई समारोह में थाना के समस्त कर्मचारी मौजूद रहे। ज्ञात हो कि लगभग अपने 10 महीने के कार्यकाल के दौरान सब इंस्पेक्टर देवेंद्र साहू अपने सरल स्वभाव के लिए जनता के बीच अपना अलग ही पहचान बना रखे थे देवेंद्र साहू के तबादला से ना सिर्फ थाना बबुरी के कर्मचारी उदास दिखे बल्कि कस्बे के भी लोग उनके तबादले से काफी आहत दिखे विभाग हैं लोगों का आना जाना लगा रहता है लेकिन देवेंद्र साहू ने महज अपने 10 महीने के कार्यकाल में जिस प्रकार से सराहनीय कार्य किया है वह काबिले तारीफ है चाहे वह अपराधियों को लेकर हो या अच्छे व्यवहार को लेकर हमेशा जनता के लोकप्रिय बने रहे देवेंद्र साहू की विदाई समारोह में थानाध्यक्ष सत्येंद्र विक्रम सिंह के अलावा थाना बबुरी के समस्त कर्मचारी मौजूद रहे।

शंकरपुरी जी महाराज को अन्नपूर्णा मंदिर का महंत व पीठाधीश्वर बनने पर पूर्व विधायक अजय राय व कांग्रेसजनों ने दी शुभकामनाएं

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। अन्नपूर्णा मठ मंदिर में उपमहन्त शंकरपुरी जी महाराज को अन्नपूर्णा मंदिर का महंत व पीठाधीश्वर बनने पर पूर्व विधायक अजय राय व कांग्रेसजनों ने मंदिर पहुँचकर आशीर्वाद लेकर शुभकामनाएं दिए। अन्नपूर्णा मठ मंदिर के महंत रामेश्वरपुरी जी महाराज के तिरोधान के बाद आज उपमहन्त श्री शंकरपुरी जी महाराज महंत बनाये गए।अन्नपूर्णा मठ मंदिर में पहुँच आशीर्वाद लेने के बाद पूर्व विधायक अजय राय ने कहा की आज हमलोगों ने ब्रह्मलीन महंत रहे । स्व.रामेश्वरपुरी जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित किए है महाराज जी सदैव हम काशीवासीयो के दिलो में जीवित रहेंगे व आज गद्दी सम्भाल रहे शंकरपुरी महाराज जी से आशीर्वाद लेकर हम लोग यही कामना करते है सदैव की भांति अन्नपूर्णा जी का आशीर्वाद हम सब बना रहे।अन्नपूर्णा जी हम काशीवासीयो के आस्था का केंद्र है।इस मंदिर से जुड़ी एक प्राचीन कथा यहां बेहद चर्चित है। कहते हैं एक बार काशी में अकाल पड़ गया था, चारों तरफ तबाही मची हुई थी और लोग भूखों मर रहे थे। उस समय महादेव को भी समझ नहीं आ रहा था कि अब वे क्या करें। ऐसे में समस्या का हल तलाशने के लिए वे ध्यानमग्न हो गए, तब उन्हें एक राह दिखी कि मां अन्नपूर्णा ही उनकी नगरी को बचा सकती हैं। इस कार्य की सिद्धि के लिए भगवान शिव ने खुद मां अन्नपूर्णा के पास जाकर भिक्षा मांगी। उसी क्षण मां ने भोलेनाथ को वचन दिया कि आज के बाद काशी में कोई भूखा नहीं रहेगा।तब से लेकर आज तक माँ अन्नपूर्णा के आशीर्वाद से काशी में कोई भूखा नही सोता है।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 83 वे स्थापना दिवस पर 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल संग सृजन सामाजिक विकास न्यास ने 201 पौधे लगाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी

प्रखर वाराणसी। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल का 83 वा स्थापना दिवस है जिसके उपलक्ष में 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल व सृजन समाजिक विकास न्यास ने साकेत नगर पार्क नंबर दो में 201 पौधे लगाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।इसी क्रम में 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के मुख्यालय पहाड़िया में शहीदों को क्वार्टर गार्ड पर सलामी देकर सम्मान दिया गया तथा सभी ऑफिसर व जवानो द्वारा शहीदों को पुष्प अर्पित करके नमन किया गया।केंद्रीय पुलिस बल जंगलों से लेकर दुर्गम पहाड़ियों तक दुश्मनों को खत्म करने में महारथ हासिल है,देश की सेवा में पूरी तरह समर्पित यह फोर्स पर्यावरण को लेकर काफी सजग है जगह-जगह पेड़ लगाना एवं लोगों को जागरूक करती रहती है। इसी क्रम में क्वार्टर गार्ड पर श्री नितीद्र नाथ द्वितीय कमान अधिकारी 95 बटालियन ने सभी को शहीदों के याद में 2 मिनट का मौन रखवाने के पश्चात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के वीरगाथाओं को बताये।

95 बटालियन के मुख्यालय में वालीवाल खेल का प्रयोजन किया गया उसके पश्चात शाम में बड़े खाने का आयोजन किया गया तथा संध्याकालीन में रंगारंग कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।श्री अनिल सिंह (अध्यक्ष सृजन समाजिक विकास न्यास) ने वृक्षारोपण के दौरान सभी को पर्यावरण के प्रति जागरूक किए एवं सभी को पौधे लगाने के तरीके एवं इन्हें संरक्षित कैसे किया जाए के बारे में बताएं।

मिशन शक्ति को अमलीजामा पहना रही है क्षेत्राधिकारी श्रुति गुप्ता

प्रखर पूर्वान्चल चन्दौली । नक्सल प्रभावित क्षेत्र नौगढ़ क्षेत्राधिकारी श्रुति गुप्ता के द्वारा लगातार क्षेत्र में पेट्रोलिंग किया जा रहा है।जहा श्रुति गुप्ता अपने फुट पेट्रोलिंग के दौरान पिछड़े इलाकों में जाकर महिलाओं को आत्मरक्षा के बारे में जानकारी दे रही है । लगातार न सिर्फ आत्मरक्षा के गुड़ सिखाये जा रहे है बल्कि वैश्विक महामारी कोविड19 के संभावित 3 प्रकोप के बारे में आगाह कर रही है। ज्ञात हो अपने पहले पोस्टिंग में बतौर क्षेत्राधिकारी श्रुति गुप्ता का यह कार्य काफी सराहनीय है जिसकी चर्चा न सिर्फ स्थानिय लोग कर रहे है बल्कि विभाग में भी उनके उत्कृष्ट कार्य की सराहना कर रहे है। क्षेत्राधिकारी श्रुति गुप्ता जब से चार्ज ली है नक्सलियों के गतिविधियों पर काफी हद है काबू पाया जा चुका है ।जिसको लेकर खुद कप्तान अमित कुमार उनको उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र दे कर हौसला अफजाई कर चुके है।

सीएमओ ने सीरप पिलाकर किया बाल स्वास्थ्य पोषण माह का शुभारंभ

प्रखर कुशीनगर। जनपद में बुधवार को बाल स्वास्थ्य पोषण माह का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ.सुरेश पटारिया ने उप स्वास्थ्य केंद्र सोहरौना पर फीता काटकर तथा बच्चों को ' विटामिन ए' की सीरप पिलाकर किया। इस अवसर पर सीएमओ ने कहा कि नौ माह से पांच वर्ष आयु वर्ग का कोई भी बच्चा दवा पीने से वंचित न रहने पाएं। इसके लिए सभी संबंधित स्वास्थ्य कर्मियों को पूरे मनोयोग से काम करना होगा। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी व उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय गुप्ता ने कहा कि दवा पीने से बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। बच्चे स्वस्थ और पोषित रहेंगे। कार्यक्रम के तहत सभी एएनएम को अपने दायित्वों के प्रति सचेत रहना होगा। कार्यक्रम के दौरान आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहयोग करेंगी। बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार लाने और उनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के लिए बच्चों को 'विटामिन ए' की सीरप पिलाई जानी है। ऐसे में ध्यान रहे कि नौ माह से पांच साल तक आयु वर्ग का कोई भी बच्चा दवा पीने से वंचित न होने पाएं।

उन्होंने यह भी बताया कि नौ माह से एक साल तक के बच्चों को एक एमएल और एक साल से ऊपर उम्र के बच्चों को दो एमएल खुराक पिलाई जाएगी। कार्यक्रम के अवसर यूनिसेफ के रिजनल समन्वयक संदीप श्रीवास्तव, डीएमसी शाहबाज मिनहाज आदि स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

विश्वकर्मा पूजनोत्वसव मे शामिल होंगे अखिलेश यादव

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। विश्वकर्मा समाज के ईष्ट देवता भगवान विश्वकर्मा के पूजा के दिन 17 सितम्बर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव विश्वकर्मा समाज के पूजनोतसव मे शामिल होगे । अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात कर शामिल होने का अनुरोध किया था अखिलेश यादव ने स्वीकृति भी प्रदान कर दी है। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ने बताया कि भगवान विश्वकर्मा पूजा दिवस समारोह दिनांक 17 सितम्बर 2021दिनः शुक्रवार, समयः प्रातः 10.00 बजे स्थान सपा कार्यालय लॉन, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ मे आयोजित होगा कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि अखिलेश यादव होंगे । श्री शर्मा ने अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिलपकार महासभा के महानगर पदाधिकारियों एंव विश्वकर्मा यूथ बिग्रेड के साथीओ से कार्यक्रम की तैयारी हेतु जिला व विधानसभा संगठन की बैठक बुलाये जाने का निर्देश जारी किया एवं विश्वकर्मा समाज को प्रत्येक विधानसभा से बसो व गाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या मे लखनऊ पहुंचने निर्देश दिया।

जेबकतरे ने उड़ाया बीस हजार

प्रखर जखनियां गाजीपुर। स्थानीय यूबीआई शाखा जखनियां में बुधवार के दिन रामबृक्ष यादव का किसी जेबकतरे ने ब्लैड से झोला में रखे 20हजार उड़ा दिया । रामबृक्ष यादव करंजी हरिहर गांव थाना भुड़कुड़ा के रहने वाले हैं। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार के दिन 11बजे यूबीआई शाखा जखनियां से पैसा उतारकर जैसे ही पैसा कैस काउंटर से लेकर चले कि बैंक में भीड़ का फायदा उठाकर किसी जेब कतरे ने हाथ साफ कर दिया । रामबृक्ष का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। रोते बिलखते जब लोगों ने देखा और पूछा तो पैसा गायब होने का पता चला।

न्याय पंचायत पदाधिकारी विपिन चौहान के पिताजी की आकस्मिक निधन के बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश्वर सिंह पटेल ने दी सांत्वना

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। चिरईगांव ब्लॉक अंतर्गत न्याय पंचायत कमौली के ग्राम पंचायत रैपुरा में न्याय पंचायत के पदाधिकारी विपिन चौहान के पिताजी की विगत दिनों आकस्मिक निधन होने पर उनके आवास पर पहुंचकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश्वर सिंह पटेल ने दी सांत्वना । साथ में प्रदेश सचिव कमलेश ओझा , प्रदेश सचिव राहुल राजभर जिला महासचिव विनोद सिंह कल्लू , कल्पनाथ शर्मा , जिला सचिव मनीष सिंह , जिला सचिव रामाश्रय पटेल , कमला सिंह , मुन्ना लाल अम्बेडकर मास्टर साहब, मिथिलेश राजभर , प्रदीप राजभर , धर्मबीर यादव सहित इत्यादि कांग्रेसजन उपस्थित थे।

सपा का प्रतिनिधिमंडल सुनील शुक्ला के नेतृत्व में एंबुलेंस कर्मियों के साथ किया धरना प्रदर्शन

प्रखर रामनगर वाराणसी। थाना क्षेत्र दुर्गा मंदिर पर सुनील शुक्ला के नेतृत्व में एंबुलेंस खड़ा करके विभिन्न मांगों को लेकर आज तीसरा दिन धरने पर, इनके समर्थन में आज पहुंचे समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष जितेंद्र यादव (मलिक) ने कार्यकताओं के साथ किया धरना प्रदर्शन, एंबुलेंस कर्मियों की विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन जारी है,एंबुलेंस कर्मियों की मांग है कि उन्हें प्रताड़ित ना किया जाए एंबुलेंस की कंपनी जेवीको कंपनी को ठेका दिया था उत्तर प्रदेश सरकार ने कम्पनी ने इन एम्बुलेंस कर्मचारियों को कम्पनी से जबरी निकाला जा रहा है या वेतन 12000 था तो उसको कम करके10000 हजार कर रहे हैं, जोकि एंबुलेंस कर्मियों को प्रताड़ित कर रही है, नौकरी से निकाल रही है गिरफ्तार करवाने की धमकियां दे रही है, एवं साथी के साथ उनका वेतन भी कम किया जा रहा है, वर्तमान सरकार पर आरोप लगाते हुए जितेंद्र यादव मलिक ने कहा की यह सरकार हिटलर शाही सरकार है। प्रशासनिक सहयोग मिलने के जबल प्रशासन की तरफ से डराया धमकाया जाता है, और मुकदमा लाद कर जेल भेजने का हवाला दिया जाता है, यदि उन्हें एक नियमित वेतन नहीं दिया गया एवं ठीक तरीके से सुचारू रूप से नौकरी करने नहीं दिया गया तो प्रदेश भर में विशाल धरना प्रदर्शन करने का एंबुलेंस कर्मियों ने हवाला दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगर अध्यक्ष जितेंद्र यादव मलिक,संजय यादव पूर्व सभासद, जावेद खान पूर्व सभासद, मडीशंकर शर्मा सभासद, छेदी प्रधान , रामबाबू प्रधान, अमन यादव ,सुजीत गुप्ता, दिलदार खान, मामूल खान, मोहम्मद अतीक खान, राहुल शर्मा, आकाश राजपूत, गुड्डू यादव, असलम खान, संजोग यादव, किशन, लवकुश, शारुख शेख, राहुल शाहनी, राहुल सोनकर, अनिल यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट ने एस ओ एस बाल ग्राम वासियों के लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध कराया

प्रखर वाराणसी। देश भर में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में प्रायः आक्सीजन की किल्लत एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आई थी. जिससे लोग काफी असहाय महसूस कर रहे थे. वहीं अब तीसरी लहर की चेतावनी भी विभिन्न विशेषज्ञों और सरकार द्वारा की गयी है, इससे निपटने के लिए युद्धस्तर पर तमाम सरकारी और गैर सरकारी प्रयास जारी है. सामाजिक संस्था 'आशा ट्रस्ट' ने संभावित तीसरी लहर को चुनौती के रूप में स्वीकारते हुए 'कोविड राहत अभियान' का संचालन किया है. इस क्रम में मंगलवार को दानियालपुर चौबेपुर स्थित एस ओ एस बालग्राम वासियों की सुविधा के लिए स्थानीय चिकित्सक डा सुरेन्द्र पाल को ऑक्सीजन कंसंट्रेटर उपलब्ध कराया गया. इस अवसर पर डा पाल को कोरोना योद्धा सम्मान पत्र देकर सम्मानित भी किया गया. अभियान के बारे में बताते हुए आशा संस्था के समन्वयक वल्लभाचार्य पाण्डेय ने कहा कि देश में विभिन्न संस्थाएं इस दिशा में काम कर रही हैं इनका उद्देश्य मात्र इतना ही है कि किसी को भी भविष्य में आक्सीजन की आवश्यकता पड़े तो उसे दूर दराज भटकना न पड़े आप पास के इलाके में सर्व सुलभ स्थान पर कंसंट्रेटर उपलब्ध हो. उन्होंने कहा कि बाल ग्राम के चिकित्सा केंद्र में आक्सीजन कन्सेन्ट्रेटर की उपलब्धता से आस पास में भी किसी को जरूरत पड़ने पर उसका उपयोग हो सकेगा. बाल ग्राम के निदेशक डा मनोज मिश्र ने सभी को धन्यवाद दिया।

इंडियन ऑयल ने किया 5 किलो डीबीसी (डबल बॉटल कनेक्शन) सुविधा का शुभारम्भ

प्रखर पूर्वान्चल सोनभद्र । इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के उत्तर प्रदेश राज्य कार्यालय 1 के कार्यकारी निदेशक एवं राज्य प्रमुख डाक्टर उत्तीय भट्टाचार्य ने आज सोनभद्र स्थित सर्किट हाउस से दिनांक 27.07.2021 को एक और ग्राहक केंद्रित योजना का उद्घाटन किया "इंडेन LPG उपभोक्ता द्वारा मिश्रित डीबीसी कनेक्शन चुनने की सुविधा जो एलपीजी के उपयोग को निर्वाध सकती और सभी के लिए बनाएगी। इस अवसर पर डॉ उत्तीय भट्टाचार्य ने बताया कि ग्राहक अब मिश्रित सिलेंडर कॉम्बिनेशन के साथ गए डबल सिलेंडर कनेक्शन का लाभ उठा सकते हैं पानी मौजूदा 14.2 किलो सिंगल बॉटल ग्राहक अब अतिरिक्त सिलेंडर के रूप में 5 किलो सिलेंडर उठा सकते हैं और अपने कनेक्शन को डबल बॉटल बना सकते हैं। मौजूदा सिंगल बॉटल ग्राहक को डबल बॉटल कनेक्शन बनाने हेतु अतिरिक्त सिलेंडर के रूप में 14.2 किलो सिलेंडर डीबीसी का निर्धारित शुल्क 1450/- है जबकि 5 किलो सिलेंडर डीबीसी का शुल्क 800/- रहेगा 5 किलो सिलिंडर की रिफिल का मूल्य भी कम है, सोनभद्र 1.2 किलो सिलेंडर रिफिल का मूल्य 919/- है जबकि किलो सिलेंडर रिफिल का मूल्य 340/ - है। ये सुविधा केवल आईओसी के इंडेन ग्राहकों के पास उपलब्ध है। ग्राहक मोबाइल ऐप, वेबसाइट और एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरशिप के माध्यम से डीबीसी एप्लीकेशन आवेदन करके इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। कार्यक्रम में 5 ग्राहकों को 5 किलो डीबीसी कनेक्शन दिया गया। इस दौरान इंडियन आयल के महाप्रबंधक अरुण प्रसाद, प्रयागराज मंडल एलपीजी से प्रमुख अकाल एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं